राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 01 मई 2025 वर्ष-8,अंक-71 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी बने नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजरी बोर्ड के चेयरमैन, बोर्ड में हुए बदलाव के हैं खास मायने

नई दिल्ली। भारत सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) में अहम बदलाव करते हुए पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी को इसका नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। अब इस बोर्ड में कुल सात सदस्य होंगे, जिनमें सेना, पुलिस और विदेश सेवा से सेवानिवृत्त अधिकारी शामिल हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाकार बोर्ड में शामिल अन्य सदस्यों में पूर्व वायुसेना अधिकारी एयर मार्शल पीएम सिन्हा, पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह, रियर एडमिरल मॉन्टी खन्ना, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी राजीव रंजन वर्मा और मनमोहन सिंह के साथ ही पूर्व राजनयिक बी वेंकटेश वर्मा के नाम शामिल हैं। यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम आतंकी हमले के बाद से तनाव अपने चरम पर पहुंच चुका है।

कायरों की तरह वार करता है पाकिस्तान, एलओसी पर की फायरिंग

जम्मू। मंगलवार देर रात पाकिस्तान ने एलओसी पर फिर सीजफायर का उल्लंघन किया और फायरिंग की। इस दौरान भारत की तरफ से जवाबी कार्रवाई की गई, जिससे पड़ोसी मुल्क सहम गया। जम्मू-कश्मीर के नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर सेक्टरों में 29-30 अप्रैल की रात पाकिस्तान की ओर से एक बार फिर बिना उकसावे के संघर्षविराम का उल्लंघन किया गया। बता दें कि पिछले हफ्ते पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद कश्मीर नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम उल्लंघन की घटनाएं बढ़ गई हैं। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। भारत और पाकिस्तान के बीच 2021 के समझौते के बाद से नियंत्रण रेखा पर अपेक्षाकृत शांति रही है। तनाव के बीच नियंत्रण रेखा पर रहने वाले सीमावर्ती निवासियों को सीमा पार से गोलाबारी फिर से शुरू होने का डर सता रहा है। कई सीमावर्ती निवासियों ने बताया कि डर के कारण उन्होंने अपने गांवों में भूमिगत बंकरों की सफाई शुरू कर दी है। भारतीय सेना के अनुसार, यह गोलीबारी देर रात शुरू हुई और कुछ समय तक जारी रही। सेना ने स्पष्ट किया कि भारतीय जवानों ने संयम रखते हुए, लेकिन प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की।

अमूल दूध हुआ महंगा, कीमत 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ी

नई दिल्ली। अमूल दूध की कीमत में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। अमूल दूध की कीमत में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। दूध की कीमतों में बढ़ोतरी से खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों की जेब पर बोझ बढ़ने वाला है। अमूल ने काफी समय से दूध के दाम में बढ़ोतरी नहीं की थी, लेकिन आज दूध के दाम में बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया। नई दर लागू होने के बाद अब अमूल स्टैंडर्ड 500 एमएल पाउच 30 रुपये के बजाए 31 रुपये में मिलेगा। अमूल बफेलो के 500 मिली पाउच की कीमत में भी 1 रुपये की बढ़ोतरी की गई है और यह आपको 36 रुपये की जगह 37 रुपये चुकाने मिलेगा। अमूल गोल्ड 500 मिली पाउच की कीमत 33 रुपये से बढ़ाकर 34 रुपये कर दी गई है। जबकि अमूल गोल्ड 1 लीटर पाउच की कीमत 65 रुपये से बढ़ाकर 67 रुपये कर दी गई है। दूध की कीमतों में बढ़ोतरी आज देर रात से लागू होगी। गुजरात समेत अन्य राज्यों में सभी अमूल दूध उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। यह मूल्य वृद्धि गर्मी के मौसम और अन्य कारणों से की गई है। साबरडेरी से प्रेरित अमूल पार्लर में उपलब्ध विभिन्न दूध उत्पादों में से दूध की मांग सबसे अधिक है। आपको बता दें कि कल मदर डेयरी ने भी दूध के दाम बढ़ाने का फैसला किया था। टोंड दूध का दाम 54 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 56 रुपये प्रति लीटर हो गया है। फुल क्रीम दूध की कीमत 68 रुपये से बढ़कर 69 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके साथ ही टोंड दूध (पाउच) की कीमत 56 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 57 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है।

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय दास को बड़ी राहत, राजद्रोह के केस में मिली जमानत

बांग्लादेश की हाई कोर्ट ने चिन्मय कृष्ण दास को उनके खिलाफ दर्ज राजद्रोह के मामले में जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति मोहम्मद अताउर रहमान और न्यायमूर्ति मोहम्मद अली रजा की पीठ ने चिन्मय की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद मंगलवार को यह आदेश पारित किया। यह याचिका उनके कानूनी वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने 23 अप्रैल को प्रस्तुत की थी, जिसमें चिन्मय के बिगड़ते स्वास्थ्य और बिना मुकदमे के लंबे समय तक हिरासत में रहने पर चिंता व्यक्त की गई थी। चिन्मय का प्रतिनिधित्व करने वाले एक अन्य वकील एडवोकेट प्रोलद देब नाथ के अनुसार, पूर्व इस्कॉन नेता के उच्च न्यायालय के फैसले के बाद जेल से बाहर आने की उम्मीद है – जब तक कि सर्वोच्च न्यायालय का अपीलीय प्रभाग फैसले पर स्थगन आदेश जारी नहीं करता। चिन्मय कृष्ण दास राजद्रोह के आरोपों के संबंध में कई हफ्तों से हिरासत में हैं। बांग्लादेश में पांच अगस्त को शेख हसीना नीत अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से अशांति बनी हुई है तथा देश के 50 से अधिक जिलों में सैकड़ों हमले हो चुके हैं। बांग्लादेश की कुल 17 करोड़ की आबादी में आठ प्रतिशत हिंदू हैं।

मोदी ने विपक्ष से छीना एक और मुददा

मोदी ने विपक्ष से छीना एक और मुददा, जाति जनगणना करने का ऐतिहासिक फैसला लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने जाति जनगणना करने का ऐतिहासिक फैसला किया है। यह जनगणना मूल जनगणना प्रक्रिया के साथ ही होगी। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में यह अहम फैसला हुआ।

हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद अश्विनी वैष्णव ने बताया कि जातिगत आंकड़ों को सामान्य जनगणना का हिस्सा बनाया जाएगा, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और संगठित हो सके।

इस मौके पर मोदी सरकार ने संकेत दिए हैं कि जनगणना की प्रक्रिया सितंबर 2025 से शुरू हो सकती है, और जनगणना को पूरा होने में करीब एक वर्ष का समय लगेगा। अंतिम आंकड़े 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में जारी हो सकते हैं। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी, जबकि 2021 की जनगणना कोविड महामारी के चलते टाल दी गई थी।

बात दें कि जहां पहले भाजपा जाति जनगणना को लेकर आरक्षण और सामाजिक विभाजन का मुद्दा मानती रही है, लेकिन अब पार्टी ने अपने रुख में बदलाव किया है। बिहार में भाजपा ने पहले ही जातिगत गणना का समर्थन किया था। बिहार 2023 में जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी करने वाला देश का पहला राज्य बन चुका है।

कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (एसपी), राष्ट्रीय जनता दल (राजद), बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी), एनसीपी (शरद पवार गुट) जैसी विपक्षी पार्टियां लंबे समय से जातिगत जनगणना की मांग कर रही हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने हालिया अमेरिका दौरे में भी जाति जनगणना को समाजिक न्याय का आधार बताया था।

प्रेसवार्ता में केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कांग्रेस पर हमला कर कहा कि 1947 से अब तक कांग्रेस सरकारों ने जाति जनगणना का घोर विरोध किया। उन्होंने कहा कि 2010 में भी जातिगत जनगणना का विचार हुआ, लेकिन तब कांग्रेस की मनमोहन सरकार ने कोई ठोस फैसला नहीं लिया। वैष्णव ने स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 246 और सातवीं अनुसूची के अनुसार जनगणना संघ सूची का विषय है, और जनगणना केंद्र सरकार ही कर सकती है। कुछ राज्यों ने अपने स्तर पर जाति सर्वेक्षण किए हैं, लेकिन वैष्णव के अनुसार वे राजनीतिक और अपारदर्शी रहे हैं। मोदी सरकार के इस बड़े कदम को सामाजिक न्याय की दिशा में बड़ा और निर्णायक माना जा रहा है। अब नजरें इस पर हैं कि क्या यह जनगणना नीति निर्धारण, आरक्षण व्यवस्था और सामाजिक योजनाओं में नई दिशा देगी।

चंदनोत्सवम के दौरान मंदिर की दीवार ढही, 8 की मौत कई घायल

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में बुधवार तड़के चंदनोत्सवम के दौरान एक दर्दनाक हादसे में कम से कम आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई। घटना तड़के करीब 2ः30 बजे घटी। भारी बारिश के कारण एक दीवार कतार मार्ग के पास स्थित एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के पास अचानक ढह गई। बताया जा रहा है कि दीवार नई बनी थी और बारिश के चलते मिट्टी ढीली हो जाने से यह हादसा हुआ। इस दुखद दुर्घटना में चार गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब 'चंदनोत्सवम्के अवसर पर 'निजरूप दर्शन'के लिए श्रद्धालु कतार में खड़े थे। बता दें कि इस मंदिर को सिंहाचलम मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।

तीन महिलाओं की मौत की पुष्टि हुई है और शवों को किंग जॉर्ज अस्पताल, विशाखापत्तनम भेज दिया गया है। घायलों का इलाज भी वहीं चल रहा है। राज्य की गृह मंत्री वंगलापुडी अनीता ने मौके पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया और बताया कि यह दुर्घटना भारी बारिश और श्रद्धालुओं के दबाव के कारण हुई। उन्होंने कहा, श्रद्धालु 300 रुपये के विशेष दर्शन टिकट के साथ कतार में खड़े थे। दीवार बारिश के कारण पानी से भीग चुकी थी और कमजोर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। विशाखापत्तनम के जिला कलेक्टर हरेन्धिर प्रसाद और पुलिस आयुक्त शंख ब्रत बागची भी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

बता दें कि चंदनोत्सवम् पर्व सिंहाचलम मंदिर का वार्षिक पर्व है, जिसमें भगवान नरसिंह स्वामी को वर्ष में एक बार चंदन लेप हटाकर उनके 'निज रूप' में भक्तों को दर्शन कराए जाते हैं। यह अवसर हजारों श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत शुभ और दुर्लभ माना जाता है। मंगलवार देर रात 1ः00 बजे 'सुप्रभात सेवा' के साथ भगवान को जागाया गया और विशेष चांदी के उपकरणों से चंदन लेप हटाकर निज रूप दर्शन कराया गया। इसके बाद विधिवत अभिषेक और अन्य वैदिक अनुष्ठान संपन्न हुए।

जाति जनगणना पर बोले राहुल गांधी, सरकार को पूरा सपोर्ट, साथ ही कर दी ये बड़ी मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जाति जनगणना के लिए पूरा समर्थन जताया। उन्होंने जनगणना की रूपरेखा तैयार करने और उसे लागू करने में सरकार की मदद करने के लिए कांग्रेस के समर्थन की भी पेशकश की। राहुल गांधी ने प्रेस वार्ता में कहा कि हमने संसद में कहा था कि हम जाति जनगणना करवाएंगे। हमने यह भी कहा था कि हम 50त्न की सीमा को खत्म करेंगे, जो कृत्रिम दीवार है, उसे खत्म करेंगे। नरेंद्र मोदी कहते थे कि सिर्फ़ 4 मामले हैं। पता नहीं क्या हुआ लेकिन अचानक 11 साल बाद जाति जनगणना की घोषणा कर दी गई। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम इसका पूरा समर्थन करते हैं लेकिन हम एक समयसीमा चाहते हैं। हम जानना चाहते हैं कि यह कब तक होगा। यह पहला कदम है। तेलंगाना जाति जनगणना में एक मॉडल बन गया है और यह एक खाका बन सकता है। हम जाति जनगणना की रूपरेखा तैयार करने में सरकार को अपना समर्थन देते हैं... दो उदाहरण हैं – बिहार और तेलंगाना और दोनों में बहुत अंतर है। उन्होंने आगे कहा कि मैं फिर से कहना चाहूँगा कि जाति जनगणना पहला कदम है। हमारा सपना जाति जनगणना के ज़रिए विकास की नई मिसाल कायम करना है। उन्होंने कहा कि सिर्फ़ आरक्षण ही नहीं, बल्कि हम केंद्रीय सवाल भी पूछ रहे हैं – चाहे वो ओबीसी हो, दलित हो, आदिवासी हो, इस देश में उनकी भागीदारी क्या है? जाति जनगणना से पता चल जाएगा, लेकिन हमें जाति जनगणना से आगे बढ़ना होगा...हमने एक और बात कही थी, कांग्रेस ने एक और बात उठाई थी, घोषणापत्र में भी इसका ज़िक्र था --- अनुच्छेद 15(5) – निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण। यह पहले से ही एक कानून है। हम चाहते हैं कि एनडीए-बीजेपी सरकार इसे लागू करना शुरू करे।

अगर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया गया तो यह गलत है - एक व्यक्ति की भीड़ की पिटाई में हत्या पर बोले सिद्धारमैया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि अगर कोई व्यक्ति पाकिस्तान के पक्ष में बोलता है, तो वह गलत है और ऐसा करना देशद्रोह के बराबर है। मंगलुरु में कथित तौर पर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने वाले एक व्यक्ति की भीड़ द्वारा पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। सिद्धारमैया ने मंगलुरु में कथित तौर पर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने पर एक व्यक्ति की हत्या पर संवाददाताओं के सवाल का जवाब देते हुए कहा, अगर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया गया तो यह गलत है, चाहे वह कोई भी हो। जांच अभी जारी है, मामला दर्ज कर लिया गया है, रिपोर्ट आने दीजिए। यह स्पष्ट हो जाएगा कि किसके खिलाफ क्या कार्रवाई की जानी चाहिए।उन्होंने कहा, ''अगर कोई पाकिस्तान के पक्ष में बोलता है तो यह गलत है, यह देशद्रोह है। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि मंगलुरु में एक व्यक्ति की भीड़ द्वारा हत्या कर दी गई और इस घटना के संबंध में पूछताछ के दौरान आरोपियों ने यह दावा किया कि मृतक ने पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया था।उन्होंने कहा, इस मामले की जांच की जा रही है।।। अब तक करीब 20 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।उन्होंने बताया कि पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मृतक कौन था, ।इसके लिए मृतक की पहचान स्थापित की जाएगी और उसके परिवार से संपर्क किया जाएगा।जब उनसे यह सवाल पूछा गया कि क्या पुलिस की तरफ से कोई चूक हुई है, क्योंकि कुछ खबरों में यह दावा किया गया था कि पहले इसे आत्महत्या के रूप में पेश करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने कहा, हमें ऐसी कोई जानकारी नहीं है। अगर ऐसा कुछ है, तो वह जांच से सामने आएगा। अगर पुलिस की कोई चूक पाई जाती है, तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

हमने वोट भी डाला, सारे डॉक्युमेंट भी यहां के हैं, अब हम यहां से कहां जाएं

-हर दिन अटारी-वाघा बार्डर से सामने आ रही हैं भावनात्मक कहानियां

अटारी (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के देश छोड़ने का आदेश दिया है। इस आदेश के बाद से हर दिन अटारी-वाघा बार्डर से कई भावनात्मक कहानियां सामने आ रही हैं। बॉर्डर के दोनों तरह बड़ी संख्या में लोगों ने शादियां की हैं, ऐसे लोग चाहते हैं कि सरकार उनके साथ रियायत बरते। ऐसा ही एक एक मामला जम्मू-कश्मीर से सामने आया है। 17 सालों से भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिक ओसामा ने भारत सरकार से अपील की है कि वह उनके जैसे लोगों को कुछ समय दे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अटारी सीमा पर बातचीत में ओसामा ने बताया कि वह उरी से आया है और रावलपिंडी, इस्लामाबाद का रहने वाला है। ओसामा ने कहा कि इस समय वह कुछ भी सोच नहीं पा रहा है। वह वर्तमान में बैचलर डिग्री कर रहा है। उसका यह फाइनल सेमेस्टर है। जून में उसकी परीक्षा होनी है। मेरे कुछ और प्लान थे, वह परीक्षा खत्म करके जॉब के लिए तैयारी कर रहा थाज अचानक से यह सब हो गया, यह बहुत प्रभावित करता है। उसका थॉट प्रॉसेस पूरी तरह से डिस्टर्ब हो गया है। उसे नहीं पता कि वहां पर क्या हुआ।

ओसामा ने कहा कि हमें पुलिस स्टेशन उरी से फोन आया था, उन्होंने हमें बुलाया तो हम आ गए। हम वहां से पाकिस्तानी पासपोर्ट पर लीगल तरीके से यहां आए थेज़हम यहां 17 सालों से रह रहे थे, 2008 में आए थे। हमने यहां आते ही 15 दिन में वीजा स्टे करवाया था। उस समय स्टेट हुड भी था। अचानक से यह सब चीज होना, समझ नहीं आ रहा कैसे रिएक्ट करेंगे। ओसाना ने सरकार से अपील की कि मोदी सरकार से वह यही अपील करूंगा कि प्रैक्टिली सोचा जाए, आप कुछ टाइम की मोहलत दे दें, कुछ हल निकालें, जो परिवार यहां 20-30 सालों से रह रहे हैं। हमने वोट भी डाला, हमारे सारे डॉक्युमेंट भी यहां के बने हैं, अब मैं यहां से कहां जाएं। मैंने दसवीं-बारवीं यहां से की है।

पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए ओसाना ने कहा कि सबसे पहले हमारे पास इंसानियत है। उस लिहाज से यह बहुत शर्मनाक घटना है। यह हम सभी के लिए बहुत शर्मनाक घटना है। हम सभी कश्मीरी और हिंदुस्तानी भाई इस घटना की निंदा करते हैं। हम इसके खिलाफ हैं। सरकार को इस घटना को अंजाम देने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लेना चाहिए। हमें मोहलत दी जाए, कुछ हल निकाला जाए ताकि हम अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें।

देश की भावनाओं को समझकर राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सही कदम उठाएं प्रधानमंत्री: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से देश की भावनाओं को समझकर मौजूदा स्थिति में किसी भी कार्रवाई के लिए राजनीतिक दलों द्वारा उन्हें दिए गए अधिकार का उपयोग करते हुए देश की सुरक्षा के लिए जल्द से जल्द सही कदम उठाने का आग्रह किया। कांग्रेस प्रमुख ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री को निशाना बनाकर पार्टी के 'गायब' पोस्ट पर उठे विवाद के बीच आतंकवादी हमले पर चर्चा करने और सामूहिक संकल्प प्रदर्शित करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की अपनी मांग दोहराते हुए कहा कि किसी की गरिमा या छवि को कोई नुकसान पहुंचाने का कोई प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। खरगे ने संसद के विशेष सत्र की मांग पर पूछे गए सवाल पर कहा, 'सभी दलों को एक साथ होना चाहिए। सत्र बुलाया जाना चाहिए और प्रधानमंत्री को उसमें उपस्थित होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने क्या कदम उठाए हैं या उठाने की योजना बना रहे हैं। उन्हें सदस्यों को इसकी जानकारी देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ऐसी बातों को गुप्त रखकर ही अभियान चलाना होता है।' कांग्रेस प्रमुख ने कहा, 'लेकिन मौजूदा स्थिति और उनके (प्रधानमंत्री के) मन में क्या चल रहा है, इस बारे में उन्हें कम से कम सत्र के दौरान सदन के नेताओं की बैठक बुलानी चाहिए और उनसे बात करनी चाहिए।'

चारधाम यात्रा शुरू, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के खुले कपाट

-यात्रा मार्ग के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। अक्षय तृतीया के शुभ मौके पर चारधाम यात्रा शुरू हो गई है। अब आगामी छह माह तक चार धाम के दर्शन आम जनता के लिए खुले रहने वाले है। इस दौरान श्रद्धालु यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ के दर्शन कर सकते है।

बता दें कि चारधाम की यात्रा दुनिया की पवित्र यात्राओं में शुमार है। चार धाम यात्रा के सभी पवित्र स्थलों में सबसे शीर्ष पर है। ये यात्रा अलग अलग देवी देवताओं को समर्पित है। केदारनाथ धाम कुल 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। केदारनाथ धाम भगवान शिव को समर्पित है। बद्रीनाथ धाम में भगवान विष्णु का वास है। गंगोत्री धाम मां गंगा और यमुनोत्री धाम यमुना मैया को समर्पित है।

केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई तो बद्रीनाथ धाम के 4 मई को खुलेंगे

अक्षय तृतीया के साथ ही चारधाम की पवित्र यात्रा की शुरुआत होती है। गंगोत्री धाम के कपाट सुबह 10.30 खुले है। वहीं यमुनोत्री धाम के कपाट 11.50 मिनट पर खुले है। वहीं केदारनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए कपाट दो मई सुबह सात बजे और बद्रीनाथ धाम के कपाट चार मई को खुलने है।

यात्रा रूट 136 पार्किंग और 56 होल्डिंग एरिया बनाए

चारधाम यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद है। चारधाम यात्रा मार्ग के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती हुई है। हाल ही में हुए पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था अधिक कड़ी और सख्त है। चारधाम की यात्रा के रुट पर 2 सुपर जोन, 7 जोन और 26 सेक्टर बांटे गए है। कुल 850 कर्मी पीएसी, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड टीम के भी तैनात हुए है।

चार धाम यात्रा को लेकर भीड़ प्रबंधन के साथ ही उत्तराखंड सरकार की ओर से ट्रैफिक कंट्रोल का भी फूलप्रूफ प्लान तैयार है। भीड़ बढ़ने पर देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार, विकास नगर, हरबर्टपुर जैसे बड़े शहरों को ट्रैफिक के जाम से बचाने के लिए वैकल्पिक ट्रैफिक प्लान तैयार हुआ है। डीजीपी ने बताया की पहलगाम की आतंकी घटना के बाद चारधाम की यात्रा व्यवस्था को और पुख्ता किया गया है। इस बार 10 कंपनी अर्धसैनिक बलों की भी तैनात की गई है। सीसीटीवी कैमरा जगह-जगह पर लगाए गए हैं। 10 हजार से ज्यादा फोर्स चार धाम यात्रा को हरिद्वार से लेकर गंगोत्री यमुनोत्री बद्रीनाथ और केदारनाथ तक नियत्रिंत करेगी। क्राउड कंट्रोल और ट्रैफिक मैनेजमेंट पर खास प्लान तैयार हैं।

पुलिस महानिदेशक ने बताया कि चारधाम यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन को लेकर बेहद ठोस और व्यवस्थित कार्य योजना तैयार की गई है। बीते वर्षों में यात्रा मार्गों पर अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्था के कारण मिले अनुभवों से सबक लेकर धामी सरकार कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती। धामों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए एडवांस प्लानिंग के तहत हॉल्टिंग प्वाइंट्स, पार्किंग स्थल और यात्रा मार्गों पर सघन जांच व्यवस्था लागू की जा रही है। चारधाम मार्गों पर अब यदि भीड़ अत्यधिक बढ़ती है या किसी आपदा जैसी स्थिति बनती है, तब श्रद्धालुओं को तयशुदा हॉल्टिंग प्वाइंट्स पर रोक दिया जाएगा। उत्तराखंड के डीजीपी ने बताया कि यात्रा रूट 136 पार्किंग स्थल और 56 होल्डिंग एरिया बनाए हैं। इससे क्राउड मैनेजमेंट में मदद मिलेगी। वहीं, ट्रांजिट कैंप ऋषिकेश में तीन निःशुल्क हॉल्ट एरिया बनाए गए हैं, जहां निःशुल्क भोजन की व्यवस्था रहेगी।

इतना ही नहीं हॉल्टिंग प्वाइंट्स पर होटल, धर्मशाला, स्कूल, कॉलेज और कम्युनिटी सेंटर जैसी सुविधाओं को चिन्हित किया गया है, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अलावा पार्किंग व्यवस्था को बेहतर किया गया है। चारधाम यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन की पूरी कमान राजधानी देहरादून स्थित पटेल भवन में स्थापित चारधाम यात्रा कंट्रोल रूम के हाथों में होगी।

डीजीपी दीपम सेठ के मुताबिक, कंट्रोल रूम जिलों से समन्वय बनाकर स्थिति पर नजर रखेगा और जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई करेगा। चारधाम यात्रा पर जाने वाले हर वाहन की कड़ी चेकिंग की जाएगी। तपोवन, भद्रकाली, कटापत्थर और कुठालगेट सहित कई चेकपोस्ट सक्रिय किए गए हैं। प्रत्येक वाहन के दस्तावेज, टायर की स्थिति और फिटनेस की जांच होगी। इतना ही नहीं उत्तराखंड पुलिस के द्वारा यात्रियों से अपील की गई है कि वे घिसे टायर या रिट्रीटेड टायर वाले वाहनों से यात्रा न करें और ड्राइवर चप्पल पहनकर वाहन न चलाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मजदूरों के हितों को सुरक्षित करना होगा तभी मजदूर दिवस की सार्थकता होगी?

(लेखक- नरेन्द्र भारती /)

(1 मई 2025 मजदूर दिवस पर विशेष)

भारतीय दंड सहिंता की धारा 304 के अंतर्गत मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।यह मजदूर बिहार के समस्तीपुर के एक ही गांव के है।पलक झपकते ही अनाज मंडी शमशानघाट बन गई थी ।लाशों के ढेर लग गए थे ।चीखो पुकार मच गई थी ।मजदूर खाक ह गए थे । कैसी विडंबना है कि कभी सुरगों व उद्योगों में बेमौत मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है।2025 के 4 महिनों में उद्योगों में आग के काफी मामले घटित हुए है। देश में मजदूरों के साथ होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

बेशक देश में प्रतिवर्ष की तरह 1 मई को मजदूर 2025 दिवस मनाया जा रहा है। केवल मात्र एक दिन बड़े-बड़े सैमिनार,गोष्ठियां की जाती है मजदूरों के हितों को सुरक्षित करने के लिए बड़े दावे किये जातें है मगर 364 दिन मजदूरों के बारे में कोई नहीं सोचता कि मजदूरों के साथ कैसे-कैसे हादसे होते रहते है।प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं हर जगह मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। देश में मजदूरों के साथ हादसे कब थमेगें यह एक यक्ष प्रशन है। हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के नाम पर सैकडों योजनाए चलाई जाती है मगर उन्हे उनका हक नहीं मिलता। देश में हर रोज मजदूर बेमौत मर रहे हैं।प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश में मजदूरों के साथ हादसे थमने का नाम नहीं ले रहें हैं।हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के साथ होने वाले यह हादसे बहुत ही त्रासदी है।कहीं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं।हादसों की बजह से बच्चे अनाथ हो रहे है।मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। देश में हर वर्ष लाखों मजदूर दबकर मारे जा रहे हैं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है।देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं, इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे है।हादसों को देखकर रौगंटे खड़े हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईटों के भठठों में मजदूर मारे जा रहे हैं।मजदूरों के पसीने से ही ईटें पकती हैं मगर भठठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर काम करते है।मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है।मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है।आकडों के मुताबिक बीते सालों में देश में हजारों मजदूर मारे जा चुके है।हादसों नं सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। हांलाकि इसयह कोई पहला हादसा नहीं है पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं। फ़रवरी 2024 को बद्दी की परफ्यूम फैक्ट्री में घटित हुआ जहाँ 35 लोग झूलस गए और एक महिला की मौत हो गई चार लोगों को पीजआई में भर्ती किया है द्य अभी भी 20 लोग लापता हैं सर्च ऑपरेशन जारी है फैक्ट्री के प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया है आगजनी के समय करीब 50 कामगार मौजूद थे 30 कामगारों ने ऊपरी मंजिल से कूद कर अपनी जान बचा ली इनमे तीन की रीढ़ की हड्डी टूट गई मलिक पर् लापरवाही बरतने का मामला दर्ज कर लिया है इससे पहले भी बद्दी में काफ़ी अग्निकांड हो चुके हैं लेकिन सबक नहीं सीख रहे हैं सरकारों को इस हादसे से संज्ञान लेना चाहिए .2019 में राजधानी दिल्ली में रानी झांसी रोड़ पर स्थित अनाज मंडी में रविवार सुबह चार बजे आग लगने से 43 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा कई लोग घायल हो गए थे ।एडीआरएफ की टीम ने केवल 56 लोगों की जान बचा ली थी ।यह भीषण आग सुबह साढे चार बजे के करीब लगी थी।आग लगने का कारण शार्टसर्किट था । भारतीय दंड सहिंता की धारा 304 के अंतर्गत मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।यह मजदूर बिहार के समस्तीपुर के एक ही गांव के है।पलक झपकते ही अनाज मंडी शमशानघाट बन गई थी ।लाशों के ढेर लग गए थे ।चीखो पुकार मच गई थी ।मजदूर खाक ह गए थे । कैसी विडंबना है कि कभी सुरगों व उद्योगों में बेमौत मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है।2025 के 4 महिनों में उद्योगों में आग के काफी मामले घटित हुए है। देश में मजदूरों के साथ होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।कारखानों में जल कर मजदूर मर रहे हैं।गत वर्ष भी एक ही दिन में दो हादसों में 19 मजदूर मारें गए थे जब राजधानी दिल्ली के बाहरी जिले में स्थित बवाना औद्योगिक क्षेत्र में एक पटाखें की फैक्टरी के गोदाम में भीषण आग लगनें के कारण 17 लोगों की मौत हो गई थी और तीस लोग बुरी तरह झुलस गए थे। मरने वालों में 10 महिलाएं तथा 7 पुरुष थी।मजदूरों ने सपने में भी नही सोचा होगा कि यह पटाखा गोदाम शमशान बन जाएगा ।पल भर में जिन्दा लोग राख में बदल गए यह बहुत ही त्रासदी है।लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका तब तक सब कुछ राख हो चुका था।आग के कारणो का पता नहीं चल पाया है।प्रशासन को चाहिए कि लापरवाही बरतने वालों को सजा दी जाए ताकि फिर एसे हादसे न हो सके।दूसरे हादसे में कानपुर में भी दो मजदूरों की मलबे में दबने से दर्दनाक मौत हो गई। एक दिन में ही 19 मजदूर मारे गए।यह बहुत ही दुखद है। ।बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे।500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है।एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टाऊसफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपूर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे। यह बैरक लोहे व फाईबर की बनी थी। यह बहुत ही दुखद हादसा था। आग लगने का कारण बिजली का शार्टसर्किट था।इस बैरक में 100 से अधिक लोग रहते थे। मगर छुटटी होने के कारण आसपास के लोग अपने घरों को चले गए थे। गनीमत रही की यह अपने-अपने घरों को गए थे वरना मृतको की संख्या 100 के लगभग होती ।नया वर्ष इन मजदूरों के लिए यमराज बन कर आया था और बेचारे टनल में ही जिन्दा जलकर राख हो गए थे इन अभागों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की नया साल उनके लिए घातक साबित होगा।मारे गए मजदूरों में एक मजदूर हिमाचल के कांगड़ा का था तथा एक पंजाब का था बाकि बनिहाल-रामबन क्षेत्र के निवासी थे।सुरगं में घटित इस दर्दनाक हादसे ने कई प्रशन खड़े कर दिए है कि आखिर यह हादसे कब रुकेगें।यह कोई पहला हादसा नहीं है देश में अब तक हजारों मजदूर बेमौत मारे जा चुके है।एक साल पहले हिमाचल के बिलासपुर में भी एक ऐसा ही हादसा घटित हुआ था जब फोरलेन का काम करते समय सुरंग ढह गई और तीन मजदूर उसमें दब गए मगर 12 दिन की कड़ी मशक्क्त के बाद दो मजदूरों को जिन्दा निकाला गया था। एक मजदूर हिरदा राम कोई पता नहीं चल पाया था कि वह जिन्दा था या मर चुका था लगभग 9 महीने बाद उसका शव बरामद हुआ था। हिमाचल के जिला किन्नौर में एक निर्माणाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए थे। यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए।इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई थी। हिमाचल में ऐसे बहुत हादसे हो रहे है हमीरपुर में भी गत दिनों दर्जनों मजदूर मारे गए थे। 2015 के फरवरी माह में एक सप्ताह में दो दर्दनाक हादसों में 10 मजदूर मारे गए और 20 मजदूर घायल हो गए। पहला हादसा हिमाचल के कुलु में हुआ तथा दूसरा मुम्बई में हुआ। मुम्बई के अलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए थे और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुलु के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी जो बिजली विभाग के एक ठेकेदार के पास काम कर रहा था इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य मजदूर घायल हो गया था।

संपादकीय

कार्नी का नया कनाडा

कनाडा के आम चुनावों में मार्क कार्नी के नेतृत्व में लिबरल पार्टी की जीत भारत से संबंधों में सुधार के नजरिये से बेहद महत्वपूर्ण है। चुनाव से पूर्व और चुनाव के दौरान कार्नी कहते रहे हैं कि आने वाले समय में भारत से बेहतर रिश्ते बनेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की दुराग्रह और पृथक्तावादियों के दबाव के चलते भारत कनाडा संबंध अपने सबसे बुरे दौर में पहुंच गए थे। कार्नी की जीत से उम्मीद जगी है कि दोनों देशों के संबंध फिर से पटरी पर लौटेंगे। दरअसल, एक अपरिपक्व राजनेता की तरह जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर प्रकरण को जिस तरह तूल दिया, उसके चलते दोनों देशों के संबंध बेहद खराब स्थिति में पहुंचे। हालांकि, भारत सरकार ने निज्जर प्रकरण में हाथ होने के दावों का दृढ़ता से खंडन किया था। लेकिन इसके बावजूद दोनों देशों के राजनीतिक, आर्थिक संबंध और लोगों के आने-जाने का उपक्रम बुरी तरह प्रभावित हुआ था। निस्संदेह, कार्नी का फिर सत्ता में लौटना संबंधों में सुधार का स्पष्ट संकेत है। वे अपने पूर्ववर्ती के विपरीत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित आर्थिक विशेषज्ञ, व्यावहारिक राजनेता और बयानों में संतुलन रखने वाले व्यक्ति हैं। दरअसल, हाल के चुनावों में उनका 'मजबूत कनाडा, मुक्त कनाडा' का नारा खूब चला। ट्रंप के टैरिफ वार और बार-बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के बयानों ने कनाडा के लोगों में असुरक्षा का भाव भर दिया। कनाडाई जनमानस को पढ़ने में सक्षम कार्नी ने इस मुद्दे को हथियार बनाकर पार्टी की सत्ता में वापसी करा दी। अन्यथा कुछ समय पूर्व पार्टी के पराजय को लेकर दावे किए जा रहे थे। दरअसल, उन्होंने कनाडा को मजबूत करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को बहाल करने की बात कही ताकि घरेलू स्थिरता को मजबूत किया जा सके। निश्चित रूप से कार्नी का यह दृष्टिकोण व्यापारिक, रणनीतिक व लोगों को जोड़ने की दृष्टि से भारत के लिये महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा। एक सफल केंद्रीय बैंकर और अनुभवी निवेशक के रूप में कार्नी भारतीय बाजार से जुड़ने की आकांक्षा रखते हैं। बहरहाल, कार्नी के कनाडा की सत्ता में वापसी और भारत विरोधी तत्वों के सिमटने से नये सिरे से व्यापार वार्ता शुरू करने, छात्र वीजा सुविधा के विस्तार और आव्रजन नीतियों में स्थिरता की उम्मीद जगी है। उनकी जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बधाई देने में मजबूत साझेदारी की उम्मीद झलकती है। हाल के वर्षो में दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट से हजारों भारतीय छात्रों और आप्रवासियों का भविष्य प्रभावित हुआ। वीजा में देरी, पढ़ाई के बाद काम की चिंता और कथित रूप से कटुतापूर्ण माहौल ने एक सपनों के गंतव्य स्थल की छवि को धूमिल ही किया। बदले हुए हालात में कार्नी प्रशासन को इस वर्ग को आश्वस्त करने के लिये तेजी से काम करना होगा। वह वर्ग जो कनाडाई अर्थव्यवस्था में अरबों का योगदान देता है तथा उसके कुशल कर्मियों की संख्या को बढ़ाता है। भारत को पिछली कटुता को भुलाकर बेहतर संबंधों हेतु उदारता का परिचय देना चाहिए। आने वाला वक्त बताएगा कि कार्नी प्रशासन खालिस्तानी उग्रवाद और प्रवासियों संबंधी कट्टरता जैसे संवेदनशील मुद्दों को कितने बेहतर ढंग से संभालता है। वैश्विक व्यवस्था में बदलाव और अमेरिकी राजनीति में अनिश्चितता के बावजूद भारत व कनाडा के बीच जलवायु संबंधी मुद्दों, शिक्षा और डिजिटल नवाचार में गहरी भागीदारी की संभावना पैदा हुई है। कार्नी की जीत के बाद दोनों देशों के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने की उम्मीद विश्वास में बदल सकती है।

मजदूरों के महत्व को दर्शाता मजदूर दिवस

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(01 मई मजदूर दिवस पर विशेष)

मजदूर दिवस मजदूरों के महत्व को दर्शाने का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर ऐसा हो नहीं पाया है। भारत में 90 फीसदी मजदूर असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं जिनको सभी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं प्राप्त नहीं हैं। देश में श्रमिक वर्ग की संख्या संगठित व असंगठित क्षेत्र में 50 करोड़ से ज्यादा है।

भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरुआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगरावेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2025 में वर्ल्ड डे फॉर सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क की थीम है। स्वास्थ्य और सुरक्षा में क्रांति, कार्यस्थल पर एआई और डिजिटलाइजेशन की भूमिका। इसका मतलब है कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कार्यस्थल को और ज्यादा सुरक्षित और सेहतमंद बनाने में किया जाएगा। स्मार्ट हेलमेट्स, सेफ्टी सेंसर, ऑटोमेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम ये सब भविष्य की सुरक्षा के अहम हिस्से बनेंगे। यह थीम हमें इस बात के लिए तैयार करती है कि हम तकनीक का सही इस्तेमाल करते हुए कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित कर सकें।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है। महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझे। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुये हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने 'काम करना, नाम जपना, बांट छकना और दसवंध निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का विनम्रता का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था।

मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती हैं मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है।

हमारे देश के मजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर-बसर करते हैं।

बड़े शहरों में झोंपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करता है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना हीं किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़ पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12-12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटो धूप में खडे रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नही हो पाता है। देश के कारखानो में काम करने वाले मजदूरो पर हर वक्त इस बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मालिक उनकी छटनी कर काम से हटा दे। कारखानो में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है। विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तों पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानो में श्रम विभाग के मापदण्डो के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है।

(चिंतन-मनन)

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है।

वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

विचार मंथन

सीरिया से बदतर हो जाएंगे पाकिस्तान के हालात

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जितनी भी निंदा की जाए कम है। इस घटना के दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी ही चाहिए, फिर चाहे वो देश के अंदर मौजूद हों या फिर सीमापार। इससे किसी भी शांतिप्रिय व्यक्ति या देश को आपत्ति भी नहीं होनी चाहिए। बल्कि ऐसे आतंकियों को सजा दिलाने में सभी को साथ आना चाहिए, ताकि दुनियां में यह संदेश जा सके कि निर्दोष और निहत्थों पर जुल्म और ज्यादती करने और बेरहमी से जान लेनें वालों की इस दुनियां में न तो कोई जगह है और न ही किसी को उनकी जरुरत है। पर अफसोस कि आतंकवाद को पालने और दरिंदों की फौज तैयार कर पड़ोसियों को ज्यादा से ज्यादा परेशान करने की जो रणनीति पर चल रहा हो, वह शांति और भाईचारे की बात को कैसे समझ सकता है। ठीक वैसे ही जैसे कि जो इमारत नफरत की नींव पर खड़ी की गई हो उसमें सुख-समृद्धि और भाईचारा कैसे निवास कर सकता है। बगावत और हमेशा कत्लेआम की भाषा बोलने वाले प्रगति के पथ पर सरपट दौड़ ही नहीं सकते। इसके चलते बहुतायत में अशिक्षा, बेरोजगारी और गरीबी पनपती है और फिर शुरु होता है अपनों और परायों का फर्क किए बगैर छल-कपट और फरेब के साथ ही खून-खराबे का वो दौर जो इस समय पाकिस्तान में देखने को मिल रहा है। वैसे देखा जाए तो विभाजन के बाद से पाकिस्तान कभी सुकून से बैठा ही नहीं। राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद को पालने का परिणाम बांग्लादेश के तौर पर पाकिस्तान के दो टुकड़े हो जाना हमेशा। उसके दिल में इसकी टीस सदा ही उभरती होगी, इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता है। बावजूद इसके सही रास्ते पर आने की जगह पाकिस्तान अपने ढर्रे पर कायम रहा, नतीजा पीओके और बलूचिस्तान के साथ ही अफगानिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में बगावत के सुर और बड़ी तादाद में हिंसा का होना है। अब यदि वह कुछ और करने की सोचता भी है तो बिना कुछ किए एक और प्रांत अलग देश बनाने को तैयार बैठा है। पाकिस्तान की संसद में इसको लेकर बात भी हो चुकी है, जिसे एक सांसद ने यह कहते हुए बतला दिया था कि इस अशांत प्रांत के 12 जिलों में विद्रोही गुटों की आजाद सरकारें चल रही हैं। मतलब साफ है कि जहां आवामी सरकार के पैररल किसी संगठन की अपनी सरकार चल रही हो, वहां के हालात कैसे हो सकते हैं।

इस समय पाकिस्तान के कुछ मंत्री समेत नेता भी भारत को गीदड़भभकी देने का काम कर रहे हैं। परमाणु संपन्न होने का वो दम भर रहे हैं और बता रहे हैं कि ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। बात यह है कि यदि वाकई युद्ध होता है तो फिर पाकिस्तान के अंदर मौजूद विद्रोही गुट क्योंकर खामोश बैठेगा। वह भी मौका देख अपने मकसद को पूरा करने के लिए पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ हथियार उठाने से पीछे नहीं हटेगा। स्थिति सीरिया से भी बदतर हो जाएगी और एक और जख्म देश टूटने का पाकिस्तान को सहना पड़ जाएगा। ऐसा नहीं है कि देश के हालात से पाकिस्तान की मौजूदा शहबाज सरकार नाबाकिफ है, लेकिन इससे निकला कैसे जाए यह उसे सूझ ही नहीं रहा है। गौर करने वाली बात है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जो खुद इस समय जेल में हैं कह रहे हैं कि पहलगाम घटना में लोगों की जान जाना बेहद परेशान करने वाला और दुखद है। पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। वो पुलवामा घटना को याद करते हुए आगे कहते हैं कि जब पुलवामा की घटना हुई थी, तब हमने भारत को हरसंभव सहयोग करने की पेशकश की थी, लेकिन भारत तब कोई ठोस सबूत पेश करने में विफल रहा। इसके साथ ही इमरान ने यह भी कह दिया कि उन्होंने तो पहलगाम जैसी घटना की 2019 में ही भविष्यवाणी कर दी थी। वैसे इमरान की बात ज्यादा इसलिए मायने नहीं रखती क्योंकि उन्हें खुद अपने भविष्य का पता नहीं है। कब जेल से छूटेंगे और कब अपने विरोधियों के दिए हुए जख्मों का बदला ले पाएंगे, कहा नहीं जा सकता है। पाकिस्तान में जुल्फीकार अली भुट्टो, बेनजीर भुट्टो, जनरल परवेज मुशर्रफ और भी कई बड़े नेताओं का हश्र तो दुनियां देख ही चुकी है।

इन तमाम घटनाओं के लिए किसी विदेशी की आवश्यकता ही नहीं पड़ी थी। बहरहाल इस समय पाकिस्तान को चाहिए था कि वो आगे आता है और आतंकवाद को खत्म करने भारत से कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ता, लेकिन ऐसा मुमकिन नहीं है। इसलिए युद्ध की भाषा बोली जा रही है।

रेनॉल्ट कंपनी चेन्नई में नया डिजाइन स्टूडियो स्थापित करेगी

नई दिल्ली।

हाल ही में रेनॉल्ट कंपनी ने भारतीय बाजार के लिए अपनी नई रणनीति का खुलासा किया, जिसमें चेन्नई में एक नया डिजाइन स्टूडियो स्थापित करना शामिल है। यह डिजाइन केंद्र यूरोप के बाहर रेनॉल्ट का सबसे बड़ा स्टूडियो होगा। इसके साथ ही, रेनॉल्ट की योजना अगले दो वर्षों में भारत में पांच नए मॉडल्स लॉन्च करने की है, जिसमें तीसरी पीढ़ी की डस्टर और इसका सात सीटों वाला वर्जन बिगस्टेर शामिल है। रेनॉल्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि डस्टर और इसके तीन-रो वर्जन के लिए डीजल इंजन का उपयोग नहीं किया जाएगा, बल्कि कंपनी आगामी एसयूवी मॉडल्स के लिए हाइब्रिड पावरट्रेन लाने की योजना बना रही है। में डिजाइनिंग स्टूडियो के उद्घाटन के दौरान, रेनॉल्ट इंडिया के सीईओ वेंकटराम ममिल्लापल्ले ने हाइब्रिड और सीएनजी विकल्पों के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया कि रेनॉल्ट भारतीय बाजार के लिए व्यावहारिक हाइब्रिड विकल्पों पर विचार कर रहा है, जबकि माइल्ड-हाइब्रिड को खारिज किया गया है, क्योंकि उनका बाजार में प्रभाव कम होता है। इसके अलावा, रेनॉल्ट रेंज एक्सटेंडर तकनीक का भी मूल्यांकन कर रहा है, जो एक छोटा आंतरिक दहन इंजन और इलेक्ट्रिक ड्राइवट्रेन का संयोजन होगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, रेनॉल्ट तीसरी पीढ़ी की डस्टर के हाइब्रिड वेरिएंट्स में 1.6-लीटर चार-सिलेंडर इंजन का उपयोग करेगा, जो दो इलेक्ट्रिक मोटर्स और 1.2 केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ जुड़ेगा, जिससे कुल 138 बीएचपी का पावर आउटपुट मिलेगा।

महाराष्ट्र सरकार ने जलपोत निर्माण नीति को मंजूरी दी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य को जलपोत निर्माण, उनकी मरम्मत, पुनर्चक्रण के लिए एक प्रमुख केंद्र बनाने के लिए एक नीति मंजूर की है। जलपोत निर्माण, मरम्मत और पुनर्चक्रण नीति, 2025 के तहत इस क्षेत्र में सुविधाएं स्थापित करने वाली कॉरपोरेट संस्थाओं को पूंजीगत सब्सिडी, कौशल विकास के लिए वित्तीय सहायता और रियायती दरों पर या दीर्घकालिक पट्टे पर जमीन दी जाएगी।राज्य मंत्रिमंडल ने मुंबई में अपनी बैठक में नीति को मंजूरी दी।बंदरगाह मंत्री नितेश राणे ने कहा कि भारत तीन तरफ से समुद्र से घिरा हुआ है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में इसके रणनीतिक महत्व को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने राज्य को जलपोत निर्माण, मरम्मत और पुनर्चक्रण के लिए एक प्रमुख केंद्र में बदलने का संकल्प लिया है।

फिलिप्स को भारतीय कारोबार बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। नीदरलैंड की एक अमरीकी कंपनी फिलिप्स ने भारत में अपने कारोबार को बढ़ाने की उम्मीद जताई है। कंपनी के क्षेत्रीय प्रमुख ने बताया कि उन्हें भारत में अपने कारोबार को दहाई अंकों में बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी के अगले पांच वर्षों में भारत में बड़ी उपलब्धियों की आशा है और उसके लिए दहाई अंकों की वार्षिक वृद्धि से मदद मिलेगी। फिलिप्स के अधिकारी ने यह भी कहा कि कंपनी न केवल स्थानीय बाजारों में बल्कि अपने वैश्विक बाजारों के लिए भी घरेलू सोर्सिंग को प्रोत्साहित कर रही है। फिलिप्स इंडिया के वित्त वर्ष 2023-24 में एकल आधार पर परिचालन राजस्व 6,000.4 करोड़ रुपये था, जो सालाना आधार पर 4.64 प्रतिशत अधिक था।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए नए अवसर- एचसीएल समूह

नई दिल्ली। एचसीएल समूह ने व्यावसायिक उतार-चढ़ाव के बीच प्रौद्योगिकी उद्योग को सतर्क रूप से आशावादी बताया। एचसीएल समूह के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के मुताबिक अमेरिकी शुल्क और मुद्रास्फीति के दबाव से लागत-अनुकूलन की दिशा में कदम बढ़ सकते हैं, जो भारतीय आईटी कंपनियों के लिए नए अवसर उत्पन्न कर सकता है। उन्होंने कहा` कि हम आशावादी हैं, क्योंकि हम इन उद्योगों के ग्राहकों के लिए काम करते हैं, जो शुल्क से प्रभावित हो सकते हैं। हमारे लिए सबसे बड़े बाजार अमेरिका है और यह यहाँ का संदेश को बचाने के लिए हमारे लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने उद्योग और सुनें को ध्यान में रखते हुए यह भी कहा कि लागत अनुकूलन ही एकमात्र विकल्प है जिससे शुल्क दबावों और मुद्रास्फीति के बीच वृद्धि का मुकाबला किया जा सकता है।

बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व का मुनाफा बढ़ा

मुंबई। शेयर बाजार में बजाज ग्रुप के दोनों बड़े नाम, बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व ने मुनाफे भरे नतीजे पेश करे` दिए हैं। बजाज फाइनेंस ने अपने शेयरधारकों को 56 रुपये डिविडेंड और बोनस शेयर का ऐलान किया है। बजाज फाइनेंस का मुनाफा मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में 16 प्रतिशत बढ़कर 3,940 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी को 3,402 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। इसके साथ ही, कंपनी ने अपने शेयरधारकों को 44 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का अंतरिम डिविडेंड और 12 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का स्पेशल डिविडेंड भी घोषित किया है। विपक्ष में बजाज फिनसर्व लिमिटेड का मुनाफा मार्च 2025 को समाप्त चौथी तिमाही में 14 प्रतिशत बढ़कर 2,417 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने निदेशक मंडल की सिफारिश पर एक रुपये प्रति शेयर के 100 प्रतिशत लाभांश की सिफारिश की है। इससे कंपनी द्वारा घोषित कुल लाभांश 56 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा और शेयरधारकों को 4ः1 के रेशियो में बोनस शेयर देने का भी ऐलान किया गया है।

सस्ते स्टेनलेस स्टील आयात से सुरक्षा देने कदम उठाए सरकारः उद्योग निकाय

नई दिल्ली। भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ ने स्थानीय विनिर्माताओं के हितों की रक्षा के लिए सरकार से सुरक्षात्मक शुल्क जैसे कदम उठाने का आग्रह किया है। इस चुनौती से निपटने के लिए उद्योग और सरकार दोनों को मिलकर कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा। भारत में तैयार स्टील के बढ़ते आयात ने स्थानीय उद्योगों को असहाय बना दिया है। उच्च लागत और अनियमितता के कारण स्थानीय उत्पादकों का व्यावसायिक संसाधनों को कष्ट का सामना करना पड़ रहा है। चीन से सस्ता आयात कर मार्ग से भारत में पहुंच रहा स्टेनलेस स्टील ने स्थानीय उद्योगों को कठिनाई में डाल दिया है। एक बाजार अनुसंधान फर्म के मुताबिक स्टेनलेस स्टील आयात की मात्रा में वृद्धि की दिशा में एक चिंताजनक रुख देखने को मिल रहा है। इस पर कार्यवाही के लिए होने वाले संगठन पहल से संबंधित कागजात पेश करने के लिए तैयार हैं। उद्योग के हितधारक जून में होने वाले वैश्विक स्टेनलेस स्टील शिखर सम्मेलन 2025 में इस मुद्दे पर चर्चा करेगा। यहां कई उत्थानशील विचारक और निर्माताजनों को एक समायोजन में आकर्षित करना है।

पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के शेयर में तेजी, 3 दिन में 35 फीसदी चढ़ा

नई दिल्ली।

पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के शेयर में तेजी बनी हुई है। डिफेंस कंपनी के शेयर बुधवार को 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 1469 रुपए पर पहुंचे। पारस डिफेंस के शेयरों में 3 दिन में 35 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर मंगलवार को 17 फीसदी और सोमवार को 9.5 फीसदी का उछ्ल आया था। डिफेंस कंपनी बुधवार को तिमाही नतीजों का ऐलान किया। कंपनी अपने शेयरों के बंटवारे की भी घोषणा भी की। पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज का बोर्ड बुधवार की बैठक में शेयरों के बंटवारे को मंजूरी दी। कंपनी का बोर्ड अगर स्टॉक स्प्लिट को मंजूरी देता है तो पारस डिफेंस पहली बार अपने शेयरों का बंटवारा करेगी। पारस डिफेंस के शेयर पिछले एक साल में 100 पर्सेंट से अधिक उछ्ल गए। डिफेंस कंपनी के शेयर 30 अप्रैल यानी बुधवार को 726 रुपए पर थे। पारस डिफेंस के शेयर बुधवार को 1469 रुपए के स्तर पर जा पहुंचे। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1592.75 रुपए है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 681.95 रुपए है। पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में शेयर का दाम 175 रुपए था। कंपनी का आईपीओ दांव लगाने के लिए 21 सितंबर 2021 को खुला था और यह 23 सितंबर 2021 तक ओपन हुआ था। पारस डिफेंस के शेयर 1 अक्टूबर 2021 को बीएसई में 475 रुपए पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग वाले दिन ही कंपनी के शेयर उछाल के साथ 498.75 रुपए पर बंद हुए। पारस डिफेंस का आईपीओ टोटल 304.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। अगर पिछले दो साल की बात करें तो पारस डिफेंस के शेयरों में 165 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखी गई।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट बिकवाल हावी रहने के साथ ही दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बीच ही वित्तीय शेयरों में गिरावट से आई है। आज कारोबार के दौरान दिग्गज कंपनियों बजाज फिनसर्व और बजाज फाइनेंस के शेयरों के टूटने से भी बाजार नीचे आया हालांकि मारुति सहित वाहन कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से बाजार की गिरावट पर कुछ अंकुश लगा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 46.14 अंक करीब 0.06 फीसदी नीचे आकर 80,242.24 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों पर अधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी अंत में 1.75 अंक तकरीबन -0.01 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ ही 24,334.20 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान चौथी तिमाही के परिणाम कमजोर रहने से बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर 5.18 फीसदी और 5.44 फीसदी नीचे आये। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार 1 मई को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर बंद रहेगा। वहीं भारत-पाक तनाव को लेकर भी निवेशक सतर्क रुख अपनाये हुए हैं। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। ।इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार को` गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स मामूली वृद्धि के साथ 80,370.80 अंक पर खुला। नेशनल स्टॉक एक्सचेंजका निफ्टी-50 24,342.05 अंक पर खुला। खुलते ही इंडेक्स गिरावट में चला गया। यह 48.65 अंक की गिरावट लेकर 24,287.30 पर कारोबार कर रहा था। वहीं दुनिया भर के बाजार की बात करें तो अमेरिकी शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए। डाऊ जोंस 0.75 फीसदी की तेजी के साथ 40,527.62 पर बंद हुआ जबकि एसएंडपी 500 0.58 फीसदी बढ़कर 5,560.83 और नैस्डेक कंपोजिट 0.55 फीसदी की बढ़त के साथ 17,461.32 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार सुबह एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख देखने को मिला, क्योंकि निवेशक कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों और नीतिगत फैसलों का इंतजार कर रहे थे।

जापान का निक्की 225 0.22 फीसदी चढ़ा, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.34 फीसदी ऊपर रहा, हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स और चीन का सीएसआई 300 दोनों में 0.14 फीसदी की बढ़त दर्ज हुई। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.27 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। वहीं बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 70.01 अंक की बढ़त लेकर 80,288.38 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 7.45 अंक की मामूली बढ़त लेकर 24,335.95 पर बंद हुआ।

ब्रिजस्टोन इंडिया ने हैदराबाद में ब्रिजस्टोन सेलेक्ट स्टोर्स का विस्तार किया

हैदराबाद में ब्रिजस्टोन के कुल स्टोरों की संख्या 46 हुई

नई दिल्ली।

भारत में टायर उद्योग की अग्रणी कंपनी ब्रिजस्टोन इंडिया ने हाल ही में हैदराबाद में अपने प्रमुख ब्रिजस्टोन सेलेक्ट स्टोर्स का विस्तार किया है। चार नए प्रीमियम आउटलेट्स की उद्घाटन समारोह में ब्रिजस्टोन इंडिया के एक प्रमुख अे धिकारी ने उनकी इस पहल को समर्थन दिया। इस नए विस्तार के साथ हैदराबाद में ब्रिजस्टोन के कुल स्टोरों की संख्या 46 हो गई है। देशभर में कंपनी के डीलर नेटवर्क की संख्या भी 3,200 तक पहुँच चुकी है, जिनमें से 820 सेलेक्ट प्रीमियम स्टोर्स शामिल हैं। ये स्टोर दिल्ली, गाजियाबाद, बेंगलुरु, कोल्हापुर, चेन्नई और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों में स्थित हैं। ब्रिजस्टोन इंडिया के अे धिकारी ने कहा` कि हैदराबाद हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। सेलेक्ट स्टोर्स का यह विस्तार ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के साथ-साथ उनकी जागरूकता और अनुभव को भी आगे बढ़ाएगा। हमारी प्रतिबद्धता हमेशा से उच्च गुणवत्ता के साथ समाज की सेवा करने की रही है।

भारत का टायर बाजार हर साल लगभग 4.4 करोड़ यूनिट्स के स्तर तक पहुँचता है, जिसमें करीब 2 करोड़ यूनिट्स ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (और 2.4 करोड़ यूनिट्स आफ्टरमार्केट सेगमेंट में होती हैं। ब्रिजस्टोन का आफ्टरमार्केट में लगभग 20 फीसदी बाजार हिस्सेदारी है और ओईएम सेगमेंट में यह कंपनी मारुति सुजुकी, ह्युंडई, टाटा मोटर्स, महिंद्रा, टोयोटा और होंडा जैसी प्रमुख कंपनियों के साथ कार्य करती है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों पर विशेष योजना की शुरू

30,000 करोड़ रुपये के निवेश का रखा लक्ष्य

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बुधवार को यहां 'तमिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना' की शुरुआत की। राज्य सरकार की इस विशेष पहल से राज्य में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया` कि इस योजना का उददेश्य राज्य में 30,000 करोड़ रुपये का निवेश जुटाने और 60,000 नौकरियां सृजित करना है। तमिलनाडु ने इससे पहले मूल्यवर्धित विनिर्माण को और बढ़ावा देने तथा सेमीकंडक्टर उप-क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने के लिए सेमीकंडक्टर व उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स नीति 2024 शुरू की थी। इस नीति ने इलेक्ट्रॉनिक सामान के उत्पादन में तमिलनाडु को अग्रणी बनाने का मार्ग प्रशस्त किया है। बुधवार को जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण परिवेश को मजबूत करने के इन प्रयासों को जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने अब इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण पर केंद्रित इस विशेष योजना की शुरुआत की है। इसमें कहा गया`` कि तमिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना' केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना के तहत लाभान्वित होने वाली कंपनियों को आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करेगी।

अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर चीनी उत्पादों के उच्च शुल्क का असर

अप्रैल में उत्पादों के निर्यात ऑर्डर में गिरावट आई

हांगकांग।

चीन से विभिन्न उत्पादों के आयात पर लगाए गए अमेरिकी उच्च शुल्कों का असर अब दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर` दिखाई दे रहा है। चीन के लॉजिस्टिक्स एंड परचेजिंग फेडरेशन ने जारी किया गया आधिकारिक सर्वेक्षण में बताया है कि अप्रैल में उत्पादों के निर्यात ऑर्डर में गिरावट आई है। अमेरिकी प्रशासन ने चीनी उत्पादों पर 145 प्रतिशत तक का शुल्क लगाने का आदेश दिया था, जिसका प्रभाव अब उसके निर्यात पर`` दिखाई दे रहा है। वहीं चीन ने इसके जवाब में अमेरिकी उत्पादों पर 125 प्रतिशत तक का शुल्क लगाया है। इस परिस्थिति में आधिकारिक विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) ने 16 महीनों का सबसे निचला स्तर दर्शाते हुए मार्च में 49.0 पर पहुंच गया।

वित्तीय सूचना समूह कैक्सिन ने भी एक निजी सर्वेक्षण के माध्यम से बताया कि पीएमआई कम होकर 50.4 पर पहुंच गया है। इस विचार को लेकर कि कैपिटल इकोनॉमिसस्ट ने कहा कि यह गिरावट व्यापक शुल्क के प्रभाव को दिखाती है, जो चीन की अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल में आपूर्ति और मांग में वृद्धि धीमी रही, निर्यात में कमी आई और रोजगार में थोड़ी कमी आई। विनिर्माताओं ने भंडार कम करने की मांग की, रसद में देरी हुई और कीमतें दबाव में रहीं। निजी अर्थशास्त्रियों के अनुसार इस वर्ष और अगले वर्ष के लिए अर्थव्यवस्था के पूर्वानुमान में भी कमी आई है। कैपिटल इकोनॉमिस्ट के अनुमान के मुताबिक, 2025 में अर्थव्यवस्था केवल 3.5 प्रतिशत बढ़ेगी। इसके साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएफएफ) ने अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए भविष्य के लिए भी कमी के संकेत दिए हैं।

जनवरी में लगाए गए 3.3 प्रतिशत के अनुमान के विपरीत, आईएफएफ ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर के लिए 2.8 प्रतिशत का अनुमान लगाया है।

अक्षय तृतीया पर सोने-चांदी के भाव में गिरावट

सोने के भाव 95,150 रुपए, चांदी 96,000 रुपए के करीब

नई दिल्ली।

अक्षय तृतीया के अवसर पर बुधवार को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव बुधवार को गिरावट के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 95,150 रुपये, जबकि चांदी के भाव 96,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 239 रुपये की गिरावट के साथ 95,353 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,592 रुपये था। इस समय यह 428 रुपये की गिरावट के साथ 95,164 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट 749 रुपये की नरमी के साथ 96,113 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 96,862 रुपये था। इस समय यह 832 रुपये की गिरावट के साथ 96,030 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव के भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,324.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,333.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 15.30 डॉलर की गिरावट के साथ 3,318.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले सप्ताह 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.89 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.27 डॉलर था। इस समय यह 0.39 डॉलर की गिरावट के साथ 32.88 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सेबी ने अडानी ग्रुप और उसके विदेशी निवेशकों को दिया झटका

-सैटलमेंट के अनुरोध को रखा स्थगित, नियमों की कर रही समीक्षा

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अडानी ग्रुप और उसके विदेशी निवेशकों को झटका दिया है। सेबी ने आंतरिक प्रक्रियाओं की समीक्षा होने तक नियामकीय शुल्कों का सैटलमेंट करने के अनुरोध को स्थगित रखा है। बीते दिनों सेबी ने बताया था कि सैटलमेंट याचिकाओं के नियमों की समीक्षा की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सैटलमेंट प्रक्रिया में एकरूपता की कमी और लगाए गए दंड की प्रकृति पर अस्पष्ट नियमों की वजह से समीक्षा की जा रही है। एक सूत्र ने कहा कि समीक्षा में तीन महीने का समय लग सकता हैं जिसके बाद अडानी की याचिकाओं पर नई प्रक्रियाओं के तहत विचार किया जाएगा। सूत्र के मुताबिक अडानी ग्रुप की 30 संस्थाओं ने इनमें से कुछ विनियामक शुल्कों का सैटलमेंट करने के लिए आवेदन किया है। रिपोर्ट में सूत्र ने बताया कि अडानी ग्रुप की याचिकाएं निपटान के लिए लंबित तीन सौ से ज्यादा आवेदनों में से हैं, लेकिन सबसे प्रमुख की समीक्षा की जा रही है। बता दें सेबी की सैटलमेंट प्रक्रिया के तहत निवेशक और बाजार सहभागी बिना किसी अपराध के स्वीकारोक्ति या इनकार के मौद्रिक जुर्माना भरते हैं या विनियामक निर्देशों से सहमत होते हैं। इससे पहले अडानी ग्रीन एनर्जी ने बताया था कि समूह के संस्थापक चेयरमैन गौतम अडानी और दो अन्य कंपनी अधिकारियों पर अमेरिकी अदालत में अभियोग लगाए जाने के मामले में नियामकीय अनुपालन की एक स्वतंत्र समीक्षा में कोई भी अनियमितता या गैर-अनुपालन नहीं पाया है। पिछले साल नवंबर में अमेरिकी अधिकारियों ने अडानी उनके भतीजे और कार्यकारी निदेशक सागर अडानी और प्रबंध निदेशक विनीत एस जैन पर सौर ऊर्जा अनुबंध पाने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने की कथित योजना में शामिल होने का आरोप लगाया था। इसके अलावा इन पर अमेरिकी निवेशकों से धन जुटाने की कोशिश करते समय अपनी योजना को छुपाने का आरोप भी लगा था। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी पर आरोप है कि सौर ऊर्जा बिक्री अनुबंधों को हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को कथित रूप से 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत दी गई। इस अनुबंध से कंपनी को 20 साल की अवधि में दो अरब डॉलर का लाभ होने का अनुमान था। अडानी ग्रुप ने पहले सभी आरोपों को निराधार बताते हुए इनकार किया था और कहा था कि वह अपना बचाव करने के लिए कानूनी विकल्प अपनाएगा।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते में तेजी

भारत उन पहले देशों में शामिल हो सकता है, जो अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर हस्ताक्षर करेगा

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार शुल्क को लेकर बातचीत की प्रगति का संकेत दिया। उनकी घोषणा ने व्यापार समझौते को लेकर उम्मीदें बढ़ा दी है। ट्रंप ने यह बयान मिशिगन में होने वाली एक रैली से पहले दिया। व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने यह भी बताया कि वह अफ्रीका दौरे की योजना बना रहे हैं और ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के साथ बातचीत करने वाले हैं। एक समाचार एजेंसी ने भारतीय सरकारी अधिकारियों के हवाले से बताया कि केंद्र सरकार अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में एक ऐसा लुभावना प्रस्ताव शामिल करने जा रही है, जिससे यह समझौता भविष्य में भी सुरक्षित बना रहे। सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि किसी अन्य व्यापारिक साझेदार को इससे बेहतर शर्तें न मिलें।

यह कदम ऐसे समय उठाया जा रहा है जब रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि सरकार फॉरवर्ड मोस्ट-फेवर्ड-नेशन क्लॉज शामिल करने पर विचार कर रही है, जिसे पहले के व्यापार समझौतों में केंद्र सरकार

ने बहुत कम ही मंजूरी दी है। इस क्लॉज के तहत अमेरिका को यह सुविधा मिलेगी कि अगर भारत भविष्य में किसी और देश को बेहतर टैरिफ शर्तें देता है, तो वे शर्तें अपने आप अमेरिका पर भी लागू हो जाएंगी।

बीते मंगलवार को अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेन्ट ने कहा कि भारत के साथ ट्रेड डील को लेकर चल रही बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भारत उन पहले देशों में शामिल हो सकता है, जो अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर हस्ताक्षर करेगा। इसी सेंटीमेंट को अमेरिका के कॉमर्स सेक्रेटरी हावर्ड लुटनिक ने भी दोहराया।

वैभव की पारी को लेकर शुभमन के बयान पर भड़के अजय जडेजा

नई दिल्ली।

पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की उस बयान के लिए आलोचना की है। जिसमें शुभमन ने वैभव सूर्यवंशी की धमामेदार पारी को लेकर कहा है कि ये उनका दिन था। वैभव ने गुजरात के खिलाफ मुकाबले में केवल 35 गेंदों में ही शतक लगाकर सभी को हैरान कर दिया था। अपनी टीम की हार से निराश शुभमन ने इस दिन को वैभव के लिए भाग्य शाली करार दिया था। शुभमन ने कहा, 'यह वैभव के लिए भाग्यशाली दिन रहा। उनकी पारी जबरदस्त थी और उन्होंने हालातों का पूरा लाभ उठाया।÷ इसपर जडेजा नाराज हो गए। जडेजा ने कहा, 'टीवी पर कुछ खिलाड़ी वैभव के शतक को केवल एक भाग्यशाली दिन बता रहे हैं जबक एक 14 साल के बच्चे की आत्मविश्वास से खेली पारी जिससे कि विरोधी टीम हार जाये कोई छोटी बात नहीं है। ये कहना किसी भी तरह से सही नहीं। उन्होंने आगे कहा, 'हम सभी ने 14-15 साल की उम्र में क्रिकेट खेलने का सपना देखा था और ऐसी पारियों की कल्पना की थी पर इस खिलाड़ी ने मैदान में जाकर उस सपने को साकार किया. उसकी ताकत, उसकी टाइमिंग, उसकी संयम देखकर मैं हैरान हूं।'

मुम्बई और राजस्थान का मुकाबला आज,शाम 7.30 बजे से होगा मैच

जयपुर।

राजस्थान रॉयल्स की टीम गुरुवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी।

पिछल मैच में वैभव सूर्यवंशी की रिकार्ड पारी से गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत दर्ज करने से टीम के हौंसले बुलंद हैं। वैभव ने गुजरात के खिलाफ शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी।

राजस्थान की टीम अब इस मैच में भी वैभव से ऐसी ही पारी की उम्मीद कर रही है। कप्तान संजू सैमसन के फिट नहीं होने के कारण वैभव ने इस सत्र में पदार्पण करते हुए अब तक कमाल की बल्लेबाजी की है। इस मैच में भी सैमसन का खेलना तय नहीं है।

ऐसे में वैभव और यशस्वी जायसवाल के ही पारी शुरु करने की संभावना है। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 166 रन की साझेदारी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस मैच में देखना होगा कि वैभव मुम्बई के खिलाफ मैच में जसप्रीत बुमराह का मुकाबला किस तरह से करते हैं। इस मैच में राजस्थान की ओर से खेल रहे वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर को भी रन बनाने होंगे। हेटमायर अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। राजस्थान की गेंदबाजी इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर पर आधारित रहेगी। वहीं संदीप शर्मा अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं। वहीं दूसरी और मुम्बई इंडियंस ने इस सत्र में खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की है। उसने पिछले मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स को हराया था।

बुमराह के टीम से जुड़ने के बाद से ही टीम को लाभ हुआ है। उसके बल्लेबाज रोहित शर्मा भी

फार्म में आ गये हैं। ऐसे में रॉयल्स के गेंदबाजों की राह आसान नहीं है। उसने अब तक पांच मैच जीत लिए हैं और उसके विजय अभियान को रोकना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। मुम्बई के पास सूर्यकुमार जैसा टी20 का नंबर एक बल्लेबाज है। जिनपर अंकुश लगाना रॉयल्स के गेंदबाजों के लिए बेहद कठिन है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। अंक तालिका की बात करें तो मुम्बई दूसरे नंबर पर है। वहीं राजस्थान की टीम काफी नीचे आठवें नंबर पर है।

केकेआर के प्लेऑफ की संभावनाएं बनाने रखने जीतने होंगे सभी मैच

नई दिल्ली।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली जीत के साथ ही कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की प्लेऑफ में पहुंचने की हल्की सी संभावना बनती दिख रही है। केकेआर ने इस सत्र में चौथी जीत हासिल की है और उसके 10 मैचों में 4 जीत के साथ ही 9 अंकों हो गए क्योंकि एक मैच पूरा नहीं हो पाया था। केकेआर अभी अंक तालिका में सातवें नंबर पर है। केकेआर के लिए अपनी बल पर सीधे प्लेऑफ में जगह बनाना संभव नहीं है इसके लिए उसे अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा। केकेआर को अभी चार लीग मैच खेलने हैं और अगर वह सभी में जीतती है तो 17 अंकों तक पहुंच सकती है। वहीं अगर टीम 1 मैच हारती है तो उसके 15 अंक होंगे और वह बाहर हो जाएगा। उसे प्लेऑफ के लिए जीत के साथ ही बेहतर रन रेट भी रखना होगा। आईपीएल के इस सत्र में केकेआर 4 मई को राजस्थान रॉयल्स से खेलेगी. इसके बाद 7 मई को चेन्नई सुपर किंग्स फिर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबला खेलेगी।

केकेआर का अंतिम लीग मैच 17 मई को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से होगा। इस समय अंक तालिका में आरसीबी शीर्ष पर है। उसने में 7 जीत के साथ ही 14 अंक हासिल किए हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के 6 जीत के साथ ही 12 अंक हैं जबकि गुजरात टाइटंस के 6 जीत से 12 अंक हासिल किए हैं। दिल्ली कैपिटल्स चौथे स्थान पर फिसल गयी है। उसके 10 मैच के बाद 12 अंक हैं।

कुलदीप ने रिंकू को मारे थप्पड़

नई दिल्ली।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मैच के बाद एक ऐसी घटना हुई जिससे सभी हैरान रह गये। इस मैच में कैपिटल्स को मिली हार के बाद टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने केकेआर के क्रिकेटर रिंकू सिंह का कई थप्पड़ मार दिये। इस मैच में दिल्ली की टीम 205 रनों का लक्ष्य हासिल करने में असफल रही थी। मैच के बाद कुलदीप ने हंसी मजाक में रिंकू को थप्पड़ मार दिये। रिंकू इससे नाराज दिखे और कुछ बोलते नजर आये। मैच समाप्त होने के बाद सभी खिलाड़ी एक साथ मिलकर बातचीत कर रहे थे तभी ऐसा हुआ। इस दौरान कुलदीप और रिंकू साथ ही में थे और दोनों बातें भी कर रहे थे पर कुलदीप ने अचानक ही रिंकू को थप्पड़ मार दिये। कुलदीप और मारते इससे पहले ही रिंकू ने अपना चेहरा पीछे कर लिया। वहीं दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने टीम को मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा,÷ मुझे लगता है कि विकेट अच्छा था पर हमने पावरप्ले में 15 से 20 रन ज्यादा दे दिए। हमने कुछ विकेट भी आसानी से खो दिए। ल्लेबाजी की बात करें तो भले ही कुछ बल्लेबाज विफल रहे पर 2 से तीन बल्लेबाजों ने अच्छा खेला।÷ गौरतब है कि इससे पहले भी आईपीएल में एक बार थप्पड़ मारने का मामला सामने आया था। तब हरभजन सिंह ने

लक्ष्मण की पारखी नजरों ने ढूंढा आईपीएल का पहला सबसे तेज शतक लगाने वाला युवा खिलाड़ी

आईपीएल डेब्यू भी ऐसा कि पहली ही गेंद पर छक्का

मुंबई।

बिहार के समस्तीपुर के इस 14 साल के लड़के ने आईपीएल में इतिहास रच दिया है। राजस्थान रॉयल्स के इस खिलाड़ी ने वहां कारनामा कर दिखाया है जो उससे पहले किसी ने नहीं किया था। लेकिन यदि पूर्व खिलाड़ी वीवीएस लक्ष्मण की पारखी नजरें नहीं होतीं, तब शायद कच्ची उम्र में वैभव सूर्यवंशी का ऐसा वैभव नहीं दिखाता। लक्ष्मण ने ही राजस्थान रॉयल्स के कोच राहुल द्रविड़ को वैभव का नाम सुझाया था। 14 साल के लड़के ने अपनी बेखौफ बैटिंग से क्रिकेट प्रशंसकों और दिग्गजों को दीवाना बना दिया है। पहले 13 वर्ष की उम्र में आईपीएल अनुबंध हासिल करने वाला खिलाड़ी बना है। इसके बाद फिर 14 वर्ष की उम्र में आईपीएल डेब्यू और डेब्यू भी ऐसा कि पहली ही गेंद पर लगा दिया शानदार छक्का। सबसे कम उम्र में आईपीएल खेलने वाला खिलाड़ी। इसके बाद तीसरे ही मैच में 35 गेंद में शतक बनाकर आईपीएल का सबसे तेज भारतीय शतकवीर। आईपीएल की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाला भारतीय बना। आईपीएल में खेल रहा इकलौता ऐसा खिलाड़ी जो 2008 में आईपीएल की शुरुआत के वक्त पैदा तक नहीं हुआ था। वैभव का क्रिकेट करियर अभी शुरू ही हुआ है लेकिन उन्होंने अपनी उपलब्धियों की फेहरिस्त से इतिहास में अपना नाम दर्ज करा दिया है। आत्मविश्वास ऐसा कि सोमवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच से पहले सुबह 10 बजे अपने बचपन के कोच को फोन लगाकर बोला-सर, आज मैं मारूंगा। कोच ने कहा एवमस्तु, मगर विकेट मत दे देना। फिर क्या था, लड़के ने मैच में गुजरात के गेंदबाजों की ऐसी कुटाई की कि वे कभी नहीं भूलने वाले है। सिर्फ 35 गेंद में शतक, 11 छक्के और 7 चौके। वैभव आज जो कुछ भी हैं, वहां उसके परिवार के सपोर्ट, बचपन के कोच ब्रजेश झा, मनीष ओझा की सीख, कड़ी मेहनत और जुनून की वजह से हैं। लेकिन किस्मत का तारा वीवीएस लक्ष्मण ने चमकाया। रिपोर्ट के मुताबिक

नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) के प्रमुख के तौर पर लक्ष्मण बीते 2 साल से वैभव के प्रदर्शन पर नजर रख रहे थे। उन्होंने ही राजस्थान रॉयल्स के कोच राहुल को सूर्यवंशी के बारे में बताया और टीम में लेने का सुझाव दिया। पिछले साल नवंबर में आईपीएल के मेगा ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने सूर्यवंशी को 1.1 करोड़ रुपये में खरीद लिया। अब ये नन्हा क्रिकेटर देश और दुनिया में छा गया है।

संक्षिप्त समाचार

हरभजन ने बाबा महाकाल के दर्शन किये

उज्जैन।

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने उज्जैन पहुंचकर बाबा के दर्शन किये हैं। दर्शन और पूजा अर्चना के बाद हरभजन ने मंदिर की व्यवस्थाओं की सराहना की! उन्होंने कहा कि मंदिर समिति बहुत अच्छा काम कर रही है. यहां की दर्शन व्यवस्था बहुत अच्छी है। साथ ही कहा कि बाबा ऐसे ही बुलाते रहें। इसी की मै आगे भी कामना करता हूं। हरभजन ने कहा कि वह बहुत प्रसन्न हैं कि उन्हें महाकाल के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने सभी लोगों का आभार भी जताया है। उन्होंने कहा कि वह अपने को भाग्यशाली समझते हैं क्योंकि बाबा ने उन्हें दर्शनों के लिए बुलाया। तभी वह यहां दर्शन कर सके हैं। वहीं इस दिग्गज स्पिनर ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि वह घटना बहुत ही दुखद है। अब समय आ गया है कि जब हम सभी लोगोंको एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ कठोरतम कदम उठाने चाहिए। इस प्रकार की घटनाओं को सहन नहीं किया जा सकता कि कोई हमारे देश में घुसकर ही लोगों को मारकर भाग जाये और हम ऐसे ही बैठे रहें। मंदिर परिसर में हरभजन को देखकर फैन्स की भीड़ लग गई और लोग उनके साथ सेल्फी लेने लगे।

कोलकाता ने दिल्ली कैपिटल्स को 14 रन से हराया

सुनील नरेन ने झटके तीन विकेट

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) ने ढ्ढक्क के 48वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स (ष्ठष्ट) को 205 रन का टारगेट दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। कोलकाता ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 204 रन बनाए। कोलकाता ने 28वीं बार 200 प्लस स्कोर बनाया। दिल्ली ने 20 ओवर के बाद 9 विकेट के नुकसान पर 190 रन बनाए । मिचेल स्टार्क (शून्य) और आशुतोष शर्मा (7 रन) को वरुण चक्रवर्ती ने एक ही ओवर में आउट किया। सुनील नरेन ने फाफ डु प्लेसिस (62 रन), कप्तान अक्षर पटेल (43 रन) और ट्रिस्टन स्टब्स (एक रन) के विकेट लिए। उन्होंने केएल राहुल को भी डायरेक्ट हिट पर रन आउट किया। राहुल ने 9 रन बनाए। वैभव अरोड़ा ने करुण नायर को स्ध्रड्ड किया। अनुकूल रॉय ने अभिषेक पोरेल को कैच कराया।

दुष्मंथा हवा में छलांग लगाकर पकड़ा असंभव सा कैच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच मैच में दिल्ली कैपिटल्स के दुष्मंथा चमीरा ने एक असंभव सा कैच पकड़कर सभी को हैरान कर दिया। केकेआर की पारी के अंतिम ओवर का ये मामला है। तब मिचेल स्टार्क की गेंद पर अनुकुल रॉय ने एक बड़ शॉट लगाया। गेंद छक्के की ओर जा रही थी पर दुष्मंथा ने छलांग लगाकर उसे लपक लिया। दुष्मंथा की फुर्ती देखकर सभी हैरत में पड़ गये। यहां तक कि स्टार्क को भरोसा नहीं हो रहा था कि कैच पकड़ लिया गया है। इस प्रकार अनुकुल पहली ही गेंद पर पेवेलियन लौट गये। आंद्रे रसेल को अभिषेक पोरेल ने आउट कर दिया। इस तरह केकेआर ने अंतिम चार गेंदों में केवल एक रन पर तीन विकेट खो दिए। गुरबाज के 26 रनों और नरेन के 27 रनों के बाद भी केकेआर 20 ओवर में चार विकेट पर 204 रन ही बना पाया।

प्रतिका रावल ने रचा नया इतिहास, वनडे क्रिकेट में लगातार पांचवां अर्धशतक जमाया

नई दिल्ली।

श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृखला में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज प्रतिका रावल ने अपने धमाकेदार प्रदर्शन से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने वनडे क्रिकेट में लगातार पांचवीं बार अर्धशतक लगाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ वह वनडे क्रिकेट में लगातार पांच बार अर्धशतक जड़ने वाली दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं। इसके अलावा प्रतिका ने अपने वनडे करियर के महज आठवीं पारी में 500 रन पूरे करके एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह सबसे तेज 500 रन बनाने वाली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं। त्रिकोणीय श्रृखला के दूसरे मैच में प्रतिका ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 91 गेंदों में 78 रनों की पारी खेली जिसमें सात चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने इस पारी के दौरान हरलीन देओल के साथ दूसरे विकेट के लिए 68 रनों की अहम साझेदारी भी की। इससे पहले वह स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़ चुकी थीं। मंधाना 36 रन बनाकर आउट हो गईं। लेकिन प्रतिका ने पारी को आगे बढ़ाते हुए न केवल अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया बल्कि एक और अर्धशतक जड़कर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा दिया। इस त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच में भी उन्होंने 62 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए थे और प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गई थीं। इससे पहले आयरलैंड के खिलाफ राजकोट में हुई घरेलू सीरीज में भी प्रतिका का बल्ला खूब बोला था। उन्होंने उस सीरीज में क्रमशः 89, 67 और 154 रन की पारियां खेली थीं। 15 जनवरी 2025 को खेले गए मैच में प्रतिका ने 154 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी, जिसने उन्हें अचानक सुर्खियों में ला दिया था। प्रतिका रावल की इस निरंतरता

और फॉर्म को देखकर क्रिकेट जानकारों का मानना है कि वह आने वाले समय में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की रीढ़ बन सकती हैं। जब सबकी निगाहें मंधाना, शेफाली, हरमनप्रीत और जेमिमा पर होती हैं, ऐसे में प्रतिका अपनी प्रतिभा से एक अलग पहचान बना रही हैं। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वह त्रिकोणीय सीरीज में भारत को खिताबी जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

पहली गेंद पर छक्का लगाना बताया सामान्य बात: वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान में जब 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी बल्लेबाज़ी करने उतरे, तो किसी ने नहीं सोचा था कि वो इतने कम उम्र में इतिहास रच देंगे। लेकिन उन्होंने सिर्फ 38 गेंदों में 11 छक्कों और सात चौकों की मदद से 101 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर आईपीएल में अब तक का सबसे युवा शतकवीर बनने का कीर्तिमान हासिल कर लिया। यह उनका आईपीएल में महज तीसरा मैच था, जिसमें उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलते हुए ये कारनामा किया। वैभव इससे पहले लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में भी पहली गेंद पर छक्का लगाकर सबका ध्यान खींच चुके थे। वैभव कहते हैं पहली गेंद पर छक्का लगाना उनके लिए नई बात नहीं है। मैं अंडर-19 और घरेलू मैचों में भी ऐसा कर चुका हूं। अगर गेंद मेरी रेंज में होती है तो मैं उसे मारने से नहीं चूकता। मुझ पर कोई दबाव नहीं था। मैंने बस अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया। बिहार के समस्तीपुर जिले से आने वाले वैभव का जन्म आईपीएल शुरू होने के तीन साल बाद हुआ था। इतनी कम उम्र में उन्होंने जो मुकाम हासिल किया है, उसके पीछे उनके माता-पिता का बहुत बड़ा योगदान है। वैभव ने बताया कि उनकी मां आरती रात को 11 बजे सोने के बाद सुबह तीन बजे उठती हैं ताकि उनके अभ्यास में कोई कमी न रहे। वहीं उनके पिता संजीव ने बेटे के क्रिकेट करियर को सपोर्ट करने के लिए अपनी नौकरी तक छोड़ दी। वैभव ने कहा, मेरे पापा ने सब कुछ छोड़ दिया, मेरा भाई अब काम करता है और किसी तरह घर चलता है। लेकिन मेरे माता-पिता ने कभी हार नहीं मानी। इतनी कम उम्र में मिली कामयाबी के बावजूद वैभव का ध्यान सिर्फ अपने खेल पर है। उनका कहना है कि वह भारत के लिए लंबे समय तक खेलना चाहते हैं और इसके लिए वह लगातार मेहनत करते रहेंगे। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि मुझे बहुत कुछ सीखना और करना है। मेरा सपना देश का प्रतिनिधित्व करना है, और मैं तब तक मेहनत करता रहूंगा जब तक वह सपना पूरा नहीं हो जाता।

सैमसन की वापसी पर किस खिलाड़ी को बाहर बैठना पड़ेगा ?

नई दिल्ली। आईपीएल में 14 साल के राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अब तक अपने आक्रामक अंदाज से सभी को हैरान कर दिया है। ऐसे में देखना होगा कि अगले मैच में कप्तान संजू सैमसन की वापसी के बाद किस खिलाड़ी को बाहर बैठना पड़ेगा। वैभव उसी क्रम पर उतरे जिसपर सैमसन उतरते हैं। ऐसे में देखना होगा कि वापसी के बाद वह अपने ही क्रम पर उतरते हैं या वैभव को पारी की शुरुआत का अवसर देते हैं। वहीं यशस्वी जायसवाल ने भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाये हैं। ऐसे में उन्हें बाहर नहीं किया जा सकता है। इन हालातों को देखकर लगता है कि अब यशस्वी और वैभव को ही पारी शुरु करने का अवसर मिलेगा जबकि सैमसन नंबर तीन पर खेलेंगे। सैमसन ने अब तक नंबर तीन पर काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। उन्होंने नंबर 3 पर 92 पारियों में 38 की औसत से 3035 रन बनाए हैं, जिसमें 3 शतक और 20 अर्द्धशतक हैं। ऐसे में अगले मैच में भी यशस्वी और वैभव को ही पारी की शुरुआत का अवसर मिलना तय है।

नरेन ने बदला मैच का रुख: अनुकूल

रहाणे के दो तीन दिनों में ठीक होने की उम्मीद

नई दिल्ली।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्पिनर अनुकूल रॉय ने कहा है कि एक समय दिल्ली कैपिटल्स की टीम अच्छी स्थिति में थी पर अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन ने मैच का रुख बदल दिया था। वहीं अनुकूल ने अपनी टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे की चोट को लेकर कहा कि उनके अंगूठे और अंगुली के बीच में चोट लगी है पर उम्मीद है कि वह दो-तीन दिन में ठीक हो जाएंगे। इस मैच में केकेआर से मिले 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम नौ विकेट पर 190 रन ही बना सकी। नरेन ने 29 रन देकर तीन विकेट लिए। अनुकूल ने मैच के बाद कहा, 'दिल्ली की टीम काफी सकारात्मक बल्लेबाजी कर रही थी जिससे मुकाबला थोड़ा उनके पक्ष में हो गया। वहीं एक समय ऐसा लग रहा था कि हम मुश्किल में आते जा रहे हैं पर नरेन ने अच्छी गेंदबाजी कर हमें जीत दिला दी। इस मैच में अनुकूल ने 27 रन देकर एक विकेट लिया। पहला मैच खेल रहे इस स्पिनर ने कहा कि वह अवसर का फायदा उठाने के लिए तैयार था। अनुकूल ने कहा, 'मुझे अभ्यास सत्र के दौरान पता चला कि मैं खेल रहा हूं। विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छा था और गेंदबाजों को मदद नहीं मिल रही थी। कोलकाता में भी हम इसी तरह के विकेट पर खेलते हैं इसलिए मुझे पता था कि यहां कैसी गेंदबाजी करनी है।' उन्होंने कहा, 'जब अवसर नहीं मिल रहा था तब भी मैं चीजों को अनदेखा नहीं कर रहा था। अभ्यास सत्र के दौरान मैं ट्रेनिंग, दौड़ने, गेंदबाजी, बल्लेबाजी सभी चीजों का काफी अच्छी तरह अभ्यास कर रहा था और मौका मिलने का इंतजार कर रहा था क्योंकि अगर आप अभ्यास नहीं करते हैं और मानसिक रूप से तैयार नहीं रहते हैं तो फिर मौका मिलने पर आप इसका फायदा नहीं उठा पाते। नारायण और चक्रवर्ती (वरुण) जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने भी समर्थन किया जबकि मोईन अली और स्पिन कोच ने काफी मदद की।'

वैभव की पारी को लेकर शुभमन के बयान पर भड़के अजय जडेजा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की उस बयान के लिए आलोचना की है। जिसमें शुभमन ने वैभव सूर्यवंशी की धमामेदार पारी को लेकर कहा है कि ये उनका दिन था। वैभव ने गुजरात के खिलाफ मुकाबले में केवल 35 गेंदों में ही शतक लगाकर सभी को हैरान कर दिया था। अपनी टीम की हार से निराश शुभमन ने इस दिन को वैभव के लिए भाग्य शाली करार दिया था। शुभमन ने कहा, 'यह वैभव के लिए भाग्यशाली दिन रहा। उनकी पारी जबरदस्त थी और उन्होंने हालातों का पूरा लाभ उठाया।' इसपर जडेजा नाराज हो गए। जडेजा ने कहा,'टीवी पर कुछ खिलाड़ी वैभव के शतक को केवल एक भाग्यशाली दिन बता रहे हैं जबक एक 14 साल के बच्चे की आत्मविश्वास से खेली पारी जिससे कि विरोधी टीम हार जाये कोई छोटी बात नहीं है। ये कहना किसी भी तरह से सही नहीं। उन्होंने आगे कहा, 'हम सभी ने 14-15 साल की उम्र में क्रिकेट खेलने का सपना देखा था और ऐसी पारियों की कल्पना की थी पर इस खिलाड़ी ने मैदान में जाकर उस सपने को साकार किया. उसकी ताकत, उसकी टाइमिंग, उसकी संयम देखकर मैं हैरान हूं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पर्यटन

केरल राज्य कई नदियों और पर्वत-पहाड़ियों से घिरा हुआ एक अनोखा पर्यटक स्थल है। जहां प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक यहां का सौंदर्य निहारने के लिए आते है। खास तौर पर यहां का विशिष्ट वन्य जीवन और जल प्रपात मन को मंत्रमुग्ध कर देते है।

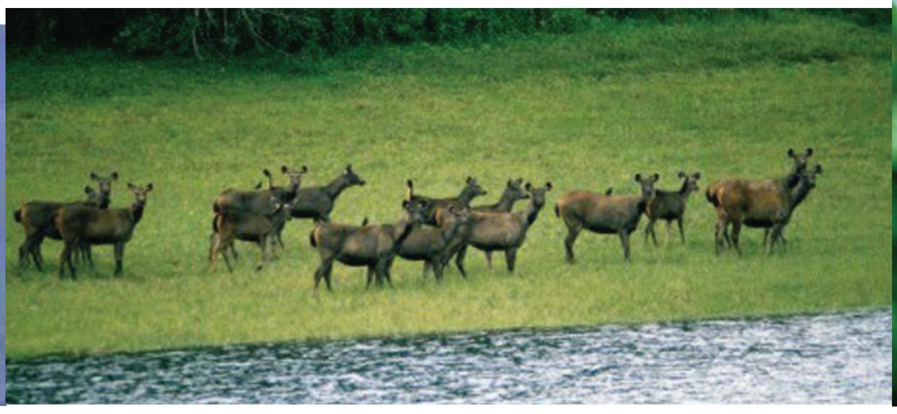

एक अनोखा पर्यटक स्थल केरल नेशनल पार्क

आइए जानते है केरल के महत्वपूर्ण नेशनल पार्क। जिनमें प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर मुख्य तौर इर्राविकुलम नेशनल पार्क, पेरियार नेशनल पार्क, साइलेंट वैली नेशनल पार्क, वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क, इडुकी नेशनल पार्क आदि कई छोटे-बड़े नेशनल पार्क आते हैं। गौरतलब है कि विश्व भर में केरल वन्यजीवों की आरामगाह के रूप में भी प्रसिद्ध है।

इर्राविकुलम

केरल और तमिलनाडु की सीमा पर स्थित इर्राविकुलम नेशनल पार्क मुख्य रूप से नीलगाय तराह (हेमीट्रेगस हाइलो क्रिकस) के संरक्षण के लिए स्थापित किया गया पार्क है। ज्ञात हो कि नीलगाय तराह एक दुर्लभ पशु है, जो सिर्फ हिमालय के ठंडे इलाकों में पाया जाता है।

वर्ष 1978 में इस वन्यजीव पार्क को नेशनल पार्क का दर्जा प्राप्त हुआ। 97 वर्ग किलोमीटर में फैला पेड़-पौधों से भरपूर, घास के बड़े मैदान से युक्त इर्राविकुलम पार्क के उत्तरी सिरे को, जो तमिलनाडु राज्य को छूता है, उसे अन्नामलाई के नाम से विश्व में पहचाना जाता है। यहां से अनामुड्डी हिमालय की 2695 मीटर की सबसे ऊंची दक्षिणी चोटी पूरी भव्यता के साथ इस अभयारण्य में दिखाई देती है। यहां नील गिरी लंगूर, लायन टेल्ड मेकाक, चीते, बाघ आदि कई दुर्लभ प्रकार के जीव-जंतु और वनस्पतियां भी पाई जाती है।

साइलेंट वैली

केरल के पश्चिमी छोर पर कुंडलई हिल्स पर साइलेंट वैली नेशनल पार्क स्थित है। मुख्य रूप से हाथी, बाघ और शेर, पूंछ वानर जैसे जीवों के साथ-साथ कई दुर्लभ किस्मों की औषधि और पेड़-पौधों के कारण यह पार्क प्रसिद्ध है। यहां का अनुकूल वातावरण और छोटी-बड़ी नदियां एवं पहाड़ इसे वन्यजीवों के लिए आरामगाह बनाते हैं।

पेरियार : केरल के पश्चिमी छोर पर पेरियार नेशनल पार्क स्थित है। यह मुख्य तौर पर बाघों के संरक्षण के लिए बनाया गया एक नेशनल पार्क है, जो दुनिया भर के नेशनल पार्क में अपना प्रमुख स्थान रखता है। इसे अंग्रेजों द्वारा सन् 1895 में अधिगृहीत किया गया था तथा अंग्रेजों ने उस वक्त यहां एक कृत्रिम झील और बांध का निर्माण भी किया था। पेरियार नेशनल पार्क 777 वर्ग किलोमीटर में फैला एक आरक्षित वन है। इसे प्रसिद्ध प्रोजेक्ट टाइगर के तहत वर्ष 1978 में प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। पेरियार नदी के नाम पर ही इसे पेरियार टाइगर रिजर्व भी कहा जाता है, जो पश्चिमी घाट की ऊंची श्रृंखला पर बसा सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। भारत का यह एकमात्र ऐसा अभयारण्य है, जहां हाथियों को केवल एक नाव की दूरी से देखा जा सकता है और उनकी तस्वीरें भी ली जा सकती हैं। यहां के वन्य जीवन और सुंदरता के कारण यह विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है।

वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

बाघ और तेंदुए के लिए वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह बांदीपुर नेशनल पार्क का ही हिस्सा है। इस अभयारण्य में हिरण, भालू, हाथी, बाघ-चीते, जंगली-सीएट बिल्ली, बंदर, जंगली कुत्ते, भैंसे ऐसे कई प्रकार के वन्य जीव-जंतु पाए जाते हैं। यहां पर अपार जैव विविधता है। यह अभयारण्य नील गिरी बायोस्फीयर रिजर्व का अविभाज्य भाग है, जिसे इस क्षेत्र की जैविक विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।

यहां पर विशेष पाए जाने वाले सरीसृप हैं मॉनिटर छिपकली। साथ ही अनेक प्रकार के सांप यहां देखे जा सकते हैं। यहां पक्षियों में खास तौर पर मोर, उल्लू, कठफोड़वा, जंगली फाउल, बैबलर, कुक्कु आदि मुख्य हैं।

इडुकी

केरल के दक्षिण भारतीय राज्य में बसा यहां के सर्वोत्तम स्थानों में से एक है इडुकी नेशनल पार्क। जो वन्य जीवों के लिए मुख्य तौर पर माना जाता है। यहां बाघ, हाथी, भैंस, भालू, जंगली सुअर, सांभर तथा जंगली कुत्ते-बिल्लियां आदि बड़े-बड़े झुंडों में घूमते नजर आते हैं। इस पार्क में जंगली फाउल, काली बुलबुल, लाफिंग थ्रश, कठफोड़वा, मैना आदि कुछ महत?वपूर्ण पक्षी भी दिखाई पड़ते हैं। यहां पर सांपों की अनेक प्रजातियों में विशेष कोबरा, वाइपर, क्रेट और कई विषरहित साप भी यहां पाए जाते हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि अगर आपने अभी तक केरल के नेशनल पार्क नहीं देखे हैं, तो एक बार जरूर जाइए। यहां के कई प्रजाति के वन्य जीवों को देखकर आप मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह पाएंगे।

जानिए प्राचीन शहर यरूशलम को

भूमध्य सागर और मृत सागर के बीच इसराइल की सीमा पर बसा यरूशलम एक शानदार शहर है। शहर की सीमा के पास दुनिया का सबसे ज्यादा नमक वाला डेड-सी यानी मृत सागर है। कहते हैं यहां के पानी में इतना नमक है कि इसमें किसी भी प्रकार का जीवन नहीं पनप सकता और इसके पानी में मौजूद नमक के कारण इसमें कोई डूबता भी नहीं है।मध्यपूर्व का यह प्राचीन नगर यहूदी, ईसाई और मुसलमान का संगम स्थल है। उक्त तीनों धर्म के लोगों के लिए इसका महत्व है, इसीलिए यहां पर सभी अपना कब्जा बनाए रखना चाहते हैं। जेहाद और क्रूसेड के दौर में सलाउद्दीन और रिचर्ड ने इस शहर पर कब्जे के लिए बहुत सारी लड़ाइयां लड़ी। ईसाई तीर्थयात्रियों की रक्षा के लिए इसी दौरान नाइट टेम्पलर्स का गठन भी किया गया था।इसराइल का एक हिस्सा है गाजा पट्टी और रामल्लाह। जहां फिलिस्तीनी मुस्लिम लोग रहते हैं और उन्होंने इसराइल से अलग होने के लिए विद्रोह छेड़ रखा है। यह लोग यरूशलम को इसराइल के कब्जे से मुक्त कराना चाहते हैं। अंततः इस शहर के बारे में जितना लिखा जाए कम है। काबा, काशी, मथुरा, अयोध्या, ग्रीस, बाली, श्रीनगर, जाफना, रोम, कंधहार आदि प्राचीन शहरों की तरह ही इस शहर का इतिहास भी बहुत महत्व रखता है।

प्राचीन और नया शहर

माउंट ऑफ ओलिब्स पर खड़े होकर आप सामने यरूशलम के प्राचीन शहर को देखते हैं, तो उसके मनोरम और भव्य दृश्य का नजारा देख आप मंत्रमुग्ध होकर सोचना बंद कर देते हैं। ओलिब्स पहाड़ी से सुंदर गुंबद और गुंबदों के पीछे दीवार नजर आती है। एक वर्ग किलोमीटर की पहाड़ी दीवारों से घिरा हजारों सालों का इतिहास लिए यह शहर दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी की आस्था का केंद्र हैं।

इतिहास और विवाद

हिब्रू में लिखी बाइबिल में इस शहर का नाम 700 बार आता है। यहूदी और ईसाई मानते हैं कि यही धरती का केंद्र है। राजा दाऊद और सुलेमान के बाद इस स्थान पर बेबीलोनियों तथा ईरानियों का कब्जा रहा फिर इस्लाम के उदय के बाद बहुत काल तक मुसलमानों ने यहां पर राज्य किया। इस दौरान यहूदियों को इस क्षेत्र से कई दफे खदेड़ दिया गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इसराइल फिर से यहूदी राष्ट्र बन गया तो यरूशलम को उसकी राजधानी बनाया गया और दुनिया भर के यहूदियों को पुनः यहां बसाया गया। यहूदी दुनिया में कहीं भी हों, यरूशलम की तरफ मुंह करके ही उपासना करते हैं।

ऐतिहासिक म्यूजियम व स्मारक

धार्मिक स्थलों के अलावा यहां प्राचीन एवं धार्मिक ग्रंथों का द इसराइल म्यूजियम है। इसराइल का होलोकॉस्ट म्यूजियम जिसे याद वशेम कहा जता है जिसका खासा महत्व है। यहां पर यरूशलम के इतिहास से संबंधित दस्तावेज और शहीदों के स्मारक व स्मृति चिह्नों आदि के बारे में जानकारी है। दोनों ही म्यूजियम का इतिहास बहुत पुराना है।

यरूशलम के जंगल

मुस्लिम इलाके में स्थित 35 एकड़ क्षेत्रफल में फैले नोबेल अभयारण्य में ही अल अक्सा मस्जिद, डोम ऑफ द रॉक, फव्वारे, बगीचे, गुंबद और प्राचीन इमारतें बनी हुई हैं। इसके अलावा छोटे से गॉर्डन ऑफ गेथेमिन की खूबसूरती भी देखने लायक है। इसके अलावा याद वशेम का इलाका भी यरूशलम के जंगल के नाम से प्रसिद्ध है।

पवित्र परिसर

किलेनुमा चाहरदीवारी से घिरे पवित्र परिसर में यहूदी प्रार्थना के लिए इकट्ठे होते हैं। इस परिसर की दीवार बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यह पवित्र परिसर ओल्ड सिटी का हिस्सा है। पहाड़ी पर से इस परिसर की भव्यता देखते ही बनती है। इस परिसर के ऊपरी हिस्से में तीनों धर्मों के पवित्र स्थल हैं। उक्त पवित्र स्थल के बीच भी एक परिसर है। यरूशलम में लगभग 1204 सिनेगॉग, 158 गिरजें, 73 मस्जिदें, बहुत-सी प्राचीन कब्रें, 2 म्यूजियम और एक अभयारण्य है। इसके अलावा भी पुराने और नए शहर में देखने के लिए बहुत से दर्शनीय स्थल हैं। यरूशलम में जो भी धार्मिक स्थल हैं, वे सभी एक बहुत बड़ी-सी चौकोर दीवार के आसपास और पहाड़ पर स्थित है। दीवार के पास तीनों ही धर्म के स्थल हैं। यहां एक प्राचीन पर्वत है जिसका नाम जैतून है। इस पर्वत से यरूशलम का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है। इस पर्वत की ढलानों पर बहुत-सी प्राचीन कब्रें हैं। यरूशलम चारों तरफ से पर्वतों और घाटियों वाला इलाका नजर आता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलिस की विशेष टीमें रोहिंग्या-बांग्लादेशियों की कर रहीं तलाश

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी पुलिस का कहना है कि उन्हें पर्यटन स्थलों पर रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के मूवमेंट का इनपुट मिला है। यहां तक कि रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, मंदिरों और अन्य प्रमुख स्थलों पर ये लोग फेरीवाला और मांगने वालों के वेश में रह रहे हैं। इनकी तलाश और शिनाख्ती का काम अब विशेष पुलिस की टीमें करेंगी। पुलिस के मुताबिक कई सालों से यहां रहने के कारण इन्हें भाषाई या पहनावे से पहचानना थोड़ा जटिल हो गया है। बावजूद इसके किराए का मकानों का सत्यापन और भाषाई जानकारी हासिल कर इन रोहिंग्या या बांग्लादेशियों की मौजूदगी को उजागर किया जा सकेगा। पुलिस की विशेष टीम अब सड़कों व रेल पटरियों के किनारे, गांव के बाहरी क्षेत्रों, पार्कों और खुले मैदानों में रहने वाले लोगों का भी सत्यापन कर सकेंगी। ऐसा करते हुए इन लोगों को चिह्नित कर हटाया जाएगा। यहां बताते चलें कि एटीएस और एनआईए द्वारा गठित टीमें पहले से ही रोहिंग्या की तलाश में जुटी हुई हैं। तलाशी के दौरान पिछले दिनों सारनाथ से दो लोगों को पकड़ा जा चुका है। अब पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल के निर्देश पर वाराणसी के काशी, गोमती और वरुणा समेत तीनों जोन की विशेष पुलिस टीमें भी इस पर प्रभावी विधिक कार्रवाई को अंजाम देंगी।

मई की शुरुआत होगी बारिश व आंधी से, दिल्ली-एनसीआर में चलेंगी तेज हवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई की शुरुआत बारिश व आंधी से होगी। तापमान घटेगा और गर्मी से एक सप्ताह तक दिल्ली-एनसीआर के लोगों को राहत मिलेगी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मई महीने के शुरुआती हफ्ते में बारिश होने की संभावना जताई है। जबकि 1-3 मई तक तेज हवाओं के आंधी में तब्दील होने की वजह से 'येलो अलर्ट' जारी किया है। आइएमडी के मुताबिक 1-3 मई तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और गरज के साथ हल्की बारिश होगी। वहीं हवाओं की रफ्तार 30-40 किमी प्रतिघंटा व कुछ इलाकों में 50 किमी प्रतिघंटा से चलेंगी जोकि आंधी का रूप ले सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 35 डिग्री तक आ सकता है। वहीं 4-5 मई को आसमान में बादल छाए रहेंगे और बूंदाबांदी होगी लेकिन हवाओं की गति धीमी पड़ जाएगी। मंगलवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री कम 37.5 व न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.7 अधिक 24.5 दर्ज किया गया। मंगलवार सुबह पूर्वी सतही हवाओं की रफ्तार 15-20 किलोमीटर से बढ़कर शाम के समय 37 किलोमीटर प्रतिघंटा तक पहुंच गई। वहीं सर्वाधिक अधिकतम तापमान में गिरावट पालम निगरानी केंद्र में देखने को मिली। दूसरी तरफ उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में अगले कुछ दिनों तक बारिश और बर्फबारी हो सकती है, जबकि मैदानी इलाकों में जैसे पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना है। पूर्वी भारत के बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में गर्मी और उमस बनी हुई है। दक्षिण भारत में केरल और तमिलनाडु में मॉनसून पूर्व बारिश की गतिविधियां तेज हो गई है।

मानहानि के मामले में कोर्ट में हाजिर नहीं हुए राहुल गांधी, अब 17 मई को होगी अगली सुनवाई

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के खिलाफ कथित रुप से आपत्तिजनक बयान देने के आरोपी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने आरोपी को कोर्ट में हाजिर होने का आदेश देते हुए मामले की सुनवाई के लिए 17 मई की तारीख तय की है। राहुल गांधी के अधिवक्ता प्रांशु अग्रवाल ने अदालत में बताया कि 29 अप्रैल को रायबरेली में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति दिशा की बैठक राहुल गांधी की अध्यक्षता में होनी है लिहाजा वे हाजिर हो नहीं सके। विदित हो कि सीमा सड़क संगठन के सेवानिवृत निदेशक (भारतीय सेना में कर्नल के पद के समकक्ष) उदय शंकर श्रीवास्तव ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। उन्होंने बताया कि 16 दिसंबर 2022 को राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पदयात्रा के दौरान नौ दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के सीमा पर भारतीय सेना और चीनी सेना के बीच हुई झड़प का जिक्र किया और कहा '' लोग भारत जोड़ो यात्रा के बारे में क्या क्या पूछेंगे, लेकिन चीनी सैनिकों द्वारा हमारे सैनिकों की पिटाई के बारे में एक बार भी सवाल नहीं पूछेंगे। नौ तारीख को सीमा पर चीनी भारतीय सेना के बीच विवाद होने के बाद भारतीय सेना ने 12 दिसंबर को आधिकारिक बयान जारी करके बताया गया कि चीनी सेना भारतीय सीमा में अतिक्रमण कर रही थी जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया था। इस झड़प में दोनों पक्षों को मामूली चोटें आई थी। राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल मामले में कहा भारतीय सैनिकों की चीनी सैनिकों द्वारा पिटाई के झूठे बयान से परिवादी को आघात लगा है। साथ ही राहुल गांधी के इस बयान से भारतीय सेना, सैनिकों के परिवार और वादी की मानहानि हुई है।

तेजस्वी का सपना मुंगेरी लाल के हसीन सपने जैसा, जो पूरा नहीं होगा : गिरिराज सिंह

पटना (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद विपक्ष की बयानबाजी और उठाए गए सवालों पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भड़क उठे। दरअसल माले नेता दीपांकर भट्टाचार्य द्वारा सिंधु जल समझौता रोकने पर सवाल उठाने पर केंद्रीय मंत्री सिंह ने माले को चीन का समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि पानी रोकने की बात पर जनता को दोष देना गलत है, लेकिन यह वहीं लोग हैं जिन्होंने 1962 में हमारी लड़ाई के समय चीन का साथ दिया था। वहीं तेजस्वी यादव के खुद को सीएम फेस बताने पर केंद्रीय मंत्री सिंह ने तंज करते हुए कहा तेजस्वी का सपना मुंगेरी लाल के हसीन सपने जैसा है, जो कभी पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नॉर्थ ईस्ट से लेकर किसानों और नौजवानों तक हर वर्ग से संवाद बनाए रखा है। साथ ही पहलगाम हमले को लेकर कांग्रेस और राजद नेताओं के बयानों को शर्मनाक बताया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पटना पहुंचते ही कांग्रेस के द्वारा प्रधानमंत्री पर बयान बाजी करने पर कहा कि आज सारा देश एक है निश्चित तौर पर सभी को एकजुट होना चाहिए।

मणिपुर के 21 विधायकों ने की गृहमंत्री अमित शाह से सरकार के गठन की मांग

-पत्र में लिखा- राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद भी राज्य में शांति नहीं

इंफाल(एजेंसी)। मणिपुर के 21 विधायकों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राज्य में सरकार बनाने की मांग की है। ये विधायक मणिपुर में शांति बहाली और सामान्य स्थिति की ओर कदम बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। पत्र में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद शांति नहीं हो पाई है, जिसके कारण लोग हिंसा फिर होने की आशंका जता रहे हैं।

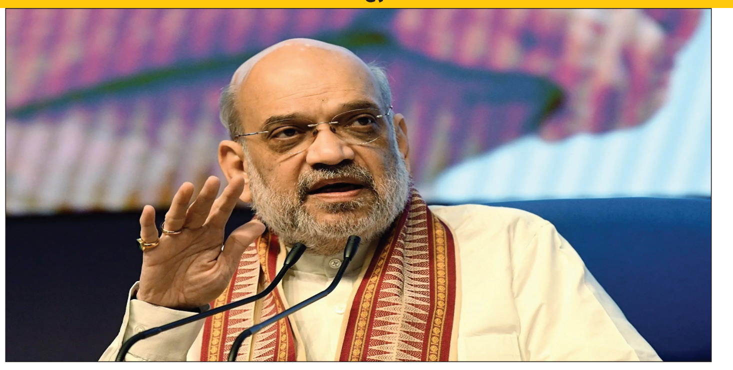

गौरतलब है कि 13 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था। इसके बाद से मणिपुर की विधानसभा का कार्यकाल निलंबित कर दिया है और राज्य में शांति की बहाली के प्रयास किए जा रहे हैं। मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा की स्थिति ने राज्य को काफी प्रभावित किया है।

बता दें मई 2023 से जारी हिंसा में 250 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। सीएम एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था। पत्र में 21 विधायकों ने सरकार से अपील की है कि राष्ट्रपति शासन के बाद शांति और सामान्य स्थिति के लिए अब तक कोई स्पष्ट कदम नहीं उठाए गए हैं। पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले विधायकों में बीजेपी के 13, एनपीपी के 3, नगा पीपुल्स फ्रंट के 3 विधायक और विधानसभा के 2 स्वतंत्र सदस्य शामिल हैं।

मणिपुर में अभी तक शांति और सामान्य स्थिति के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों में चिंता जताई जा रही है कि राज्य में फिर से हिंसा की स्थिति बन सकती है। कई नागरिक संगठन भी राष्ट्रपति शासन के खिलाफ सामने आकर सरकार बनाने की मांग कर रहे हैं। विधायकों का कहना है कि शांति के लिए सरकार का गठन अत्यंत जरूरी है। उनका मानना है कि राष्ट्रपति शासन के तहत स्थिति में सुधार नहीं हो पाया है और अब स्थायी सरकार ही राज्य में सामान्य स्थिति की बहाली कर सकती है।

यह पत्र गृह मंत्रालय को 29 अप्रैल यानी मंगलवार को मिला था और इसे आज सार्वजनिक किया गया। मणिपुर के इस संकटपूर्ण समय में इस पत्र को एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो राज्य की स्थिरता के लिए सरकार से तत्काल कार्रवाई की अपील करता है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने पाक को दी धमकी

जम्मू (एजेंसी)। कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने की धमकी दी है। इस गैंग की धमकी से जुड़ा सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो रहा है जिसमें गैंग ने लिखा है कि पहलगाम हमले में निर्दोष लोगों की हत्या का जवाब देने के लिए हम पाकिस्तान में घुसकर एक ऐसे आदमी को मारेंगे, जो एक लाख के बराबर होगा। पोस्ट में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद का फोटो भी लगा है और उस पर क्रॉस का चिह्न लगाया गया है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। भारत में कई आपराधिक वारदातों को अंजाम दे चुका लॉरेंस बिश्नोई गिरोह अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने गुनाहों की जिम्मेदारी लेता रहा है। हालांकि उसके इस पोस्ट में कितनी सच्चाई है और क्या इसे गैंग ने ही पोस्ट किया है, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है लेकिन यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। अक्सर लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर पाकिस्तानी गैंगस्टरों और डॉन से रिश्ते रखने के आरोप लगते रहे हैं। कई अपराधों में पुलिस लॉरेंस बिश्नोई के पाकिस्तान से रिश्तों की बात कहते हुए सबूत भी दे चुकी है लेकिन जेल से हुए लॉरेंस बिश्नोई के कथित इंटरव्यू में वह इस बात को नकार चुका है। लॉरेंस बिश्नोई ने खुद को देशभक्त कहते हुए बार-बार दावा किया था कि देश के दुश्मनों से उसके कोई रिश्ते नहीं हैं। इसके विपरीत पिछले साल लॉरेंस बिश्नोई का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह एक पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी को ईद की बधाई दे रहा था। यही नहीं, गैंग के शूटरों को हथियारों की सप्लाई भी पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए होती है। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में पाकिस्तान से आए एके-47 राइफल के अलावा पॉइंट 30 बोर और नौ एमएम पिस्टल का इस्तेमाल हुआ था।

पंजाब ने घटाया हरियाणा को मिलने वाला पानी, गहराया जल संकट

-सीएम सैनी बोले- आश्वासन देकर पलट गए सीएम मान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब सरकार ने भाखड़ा डैम से हरियाणा को दी जाने वाली पानी की आपूर्ति में कटौती कर दी। पहले जहां रोज 9,000 क्यूसेक पानी दिया जा रहा था, अब यह घटाकर केवल 4,000 क्यूसेक कर दिया है। इससे हरियाणा के करीब छह जिलों में जल संकट खड़ा हो गया है, जो आने वाले दिनों में और भी विकराल हो सकता है।

इस विवाद के बीच पंजाब के सीएम भगवंत मान ने को कहा कि राज्य के पास हरियाणा को देने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है। वहीं हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने बताया कि भगवंत मान ने उन्हें इस समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था। भाखड़ा-ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) की निगरानी में हर साल पंजाब सरकार हरियाणा और राजस्थान को पेयजल और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराती है। यह जल आवंटन 21 मई से अगले साल की 21 मई तक मान्य होता है। इस नहर के जरिए से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की लाखों एकड़ जमीन की सिंचाई होती है। यह पानी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पीने के लिए भी इस्तेमाल होता है, खासकर उन इलाकों में जहां भूजल की कमी है।

पंजाब का कहना है कि हरियाणा पहले ही मार्च में अपनी तय सीमा का पानी खर्च कर चुका है, क्योंकि उसका जल प्रबंधन सही नहीं था। इससे अब पंजाब ने हरियाणा को दिए जाने वाले पानी में 5,000 क्यूसेक की कटौती कर दी है। इसका असर हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, रोहतक और महेन्द्रगढ़ जैसे जिलों में दिखने लगा है। हालात यही रहे तो अन्य जिलों में भी पानी का संकट गहरा सकता है। मंगलवार को दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच इस मुद्दे पर बातचीत हुई। इसके बाद भगवंत मान ने वीडियो संदेश जारी करते हुए आरोप लगाया कि हरियाणा ने पानी का किफायती और समझदारी से इस्तेमाल नहीं किया, जिसकी वजह से वह मार्च में ही अपना कोटा खत्म कर बैठा। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद पंजाब मानवता के आधार पर 4,000 क्यूसेक पानी दे रहा है, जबकि नियमों के मुताबिक वह भी नहीं दिया जाना चाहिए।

भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत: गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आज मंगलवार को लंदन में भारत-यूके व्यापार गोलमेज बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत है। गोयल ने निवेश के नए अवसरों और इनोवेशन-आधारित विकास की संभावनाओं पर जोर दिया। इस बैठक में दोनों देशों के बड़े व्यापारिक नेताओं और सीईओ ने भाग लिया। पीयूष गोयल फिलहाल पांच दिवसीय विदेशी दौरे पर हैं। इस दौरान वे लंदन (यूके), ओस्लो (नॉर्वे) और ब्रुसेल्स (यूरोपीय संघ) की यात्रा कर रहे हैं। इस दौरे का उद्देश्य भारत के व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करना है।

गोयल ने लंदन यात्रा की शुरुआत में यूके के बिजनेस एंड ट्रेड सेक्रेटरी जे. रेनॉल्ड्स से मुलाकात की। उन्होंने इस बैठक को ÷उपयोगी÷ बताया और कहा कि यह भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह समझौता 26 अध्यायों में बंटा है, जिसमें वस्तुएं, सेवाएं, निवेश और बौद्धिक संपदा अधिकार शामिल हैं। भारत और यूके जल्द से जल्द इसे पूरा करना चाहते हैं, क्योंकि अमेरिका की ओर से टैरिफ बढ़ाए जाने के कारण वैश्विक व्यापार में चुनौतियां बढ़ सकती हैं।

गोयल ने लंदन में डी बीयर्स ग्रुप के सीईओ एल कुक और उनकी टीम से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रत्न और आभूषण उद्योग में भारत की भूमिका, टिकाऊ प्रथाएं और विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। इसके अलावा, उन्होंने रेवोल्ट के चेयरपर्सन मार्टिन गिल्बर्ट से भी मुलाकात की और भारत के फिनटेक सेक्टर में वैश्विक साझेदारी की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के सहयोग से भारत में नवाचार और विकास को गति मिलेगी।

युद्ध की आहट के बीच, सामान्य नहीं है भागवत का पीएम मोदी से मिलना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते रोज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। करीब एक घंटे तक दोनों की बातचीत होने के बाद सवाल ये है कि क्या ये शिष्टाचार भेंट थी? बात क्या है ये तो कोई नहीं जानता पर, इतना जरुर माना जा रहा है कि पीएम मोदी और संघ प्रमुख भागवत की इस मुलाकात को सामान्य नहीं माना जा सकता है। वजह ये है कि संघ प्रमुख का राजनीतिक हस्तियों से मिलना बेहद असामान्य माना जाता है। संघ सूत्रों ने पुष्टि की है कि 2014 में पीएम मोदी के पदभार संभालने के बाद से यह पहली ऐसी मुलाकात थी। मुलाकात से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मोहन भागवत ने इस घटना पर संघ परिवार की गहरी पीड़ा और हिंदू समुदाय में बढ़ते गुस्से और असुरक्षा की भावना से अवगत कराया। उन्होंने आतंकी हमले का जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और सरकार के प्रयासों के प्रति संघ का समर्थन भी दिया।आरएसएस के एक सीनियर पदाधिकारी ने बताया, 'यह महज शिष्टाचार भेंट नहीं थी। जमीनी स्तर पर माहौल तनावपूर्ण है। हिंदू आहत और नाराज हैं। संघ का मानना ??है कि सरकार के साथ खड़ा होना जरूरी है, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि जनभावनाओं को समझा जाए और जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया जाए। यह इमरजेंसी का समय है और इसलिए भागवत जी ने खुद पीएम से मुलाकात की। मोहन भागवत की यह मुलाकात प्रतीकात्मक और रणनीतिक रूप से अहम तो है ही, लेकिन इससे जो संदेश जाता है, वह कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है। अपने विशाल जनाधार और वैचारिक प्रभाव के साथ संघ परिवार के पास जनमत बनाने और सरकार की आवश्यकतानुसार समर्थन जुटाने या उसे नियंत्रित करने की क्षमता है। सरकार इस ताकत से वाकिफ है। माना जा रहा है कि वह जनभावनाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा, दोनों को ध्यान में रखते हुए अपने अगले कदम सावधानी से उठा रही है। आरएसएस के एक अन्य सीनियर पदाधिकारी ने कहा, अगर सरकार को निर्णायक जवाबी कार्रवाई के पक्ष में स्पष्ट और मजबूत जनमत का आभास होता है, तो वह उस दिशा में तेजी से और रणनीतिक रूप से आगे बढ़ सकती है। जनमत यानी पब्लिक ओपिनियन महत्वपूर्ण है। बता दें कि यह मुलाकात पहलगाम में हुए आतंकी हमले के तुरंत बाद हुई है, जहां निहत्थे नागरिकों और पर्यटकों को निशाना बनाकर मार डाला गया था।

20 मई से फिर बिहार में हुंकार भरेंगे प्रशांत किशोर, बोले- लोग बदलाव चाहते हैं, जातिगत जनगणना पर भी कही बड़ी बात

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बुधवार को कहा कि बिहार के लोग शिक्षा, रोजगार और पलायन जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार न होने के कारण बदलाव चाहते हैं। आज मीडिया से बात करते हुए किशोर ने कहा कि बिहार में एक बात तो तय है÷लोग बदलाव चाहते हैं। चाहे वे आरजेडी, बीजेपी, जेडीयू के समर्थक हों या किसी भी जाति या धर्म के हों, वे बदलाव चाहते हैं क्योंकि उन्होंने पिछले 30-35 सालों में सभी पार्टियों के नेताओं को देखा है। शिक्षा, रोजगार और पलायन जैसे बुनियादी मुद्दों पर कोई प्रगति नहीं हुई है। वे दूसरे राज्यों में विकास देखते हैं और ठगा हुआ महसूस करते हैं। राष्ट्रीय जनगणना में जातिगत जनगणना को शामिल किए जाने पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि हमें ऐसी किसी जनगणना या सर्वेक्षण से कोई दिक्कत नहीं है जो समाज की बेहतर समझ देता हो, लेकिन हमने बिहार में देखा है कि केवल जातिगत सर्वेक्षणों से देश की स्थिति में सुधार नहीं होगा, बल्कि यह तभी संभव होगा जब सरकार सर्वेक्षणों से निकले निष्कर्षों के आधार पर काम करेगी। किशोर ने सुझाव दिया कि बदलाव अपरिहार्य है, हालांकि इस पर बहस हो सकती है कि इसका नेतृत्व कौन करेगा। उन्होंने कहा, 'इस पर बहस हो सकती है कि बदलाव का अगुआ कौन होगा। यह जन सुराज हो सकता है। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि वे (लोग) बदलाव चाहते हैं।' किशोर ने आगे कहा कि

जन सुराज 20 मई को 'बिहार बदलाव यात्रा' शुरू करेगा। यात्रा से पहले, पार्टी 11 मई को राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी, जिसमें प्रमुख मुद्दों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विश्वसनीयता को निशाना बनाया जाएगा। किशोर ने कहा, ÷हम बिहार में एक करोड़ लोगों से तीन मुद्दों- जाति जनगणना, दलित महादलित परिवारों को भूमि वितरण और भूमि सर्वेक्षण पर नीतीश कुमार के ट्रैक रिकॉर्ड के बारे में बात करेंगे।÷ जन सुराज अपना पहला बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है, जो इस साल के अंत में होने की उम्मीद है। पार्टी ने पहले उपचुनाव लड़े थे, लेकिन चुनावी प्रभाव छोड़ने में विफल रही। पिछला विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुआ था। किशोर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले की भी निंदा की, जिसमें 26 लोग मारे गए और कई घायल हो गए। उन्होंने कहा, 'विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे कुछ मुद्दे केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। ऐसे मामलों में हर नागरिक, चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल से क्यों न जुड़ा हो, सरकार के साथ खड़ा होता है।' जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को बैसरन मैदान में पर्यटकों पर आतंकवादियों के हमले में 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। हमले के बाद भारत ने सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े जवाबी कदम उठाए हैं।

पहलगाम हमले को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने किया पीएम मोदी का समर्थन

-कहा- हमारे पास भी परमाणु बम है, अगर दुश्मनी चाहते हो तो हम तैयार हैं

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पहलगाम हमले के मद्देनजर पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच पीएम मोदी के लिए समर्थन जताया है। इसके साथ फारूक अब्दुल्ला ने कांग्रेस के गायब होने वाले बयान पर भी प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान को आगे की उकसावेबाजी के खिलाफ चेतावनी देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि हमने पीएम मोदी को पूरा समर्थन दिया है। उसके बाद हमसे सवाल नहीं किया जाना चाहिए। पीएम मोदी को जो भी काम करना है, वह करना चाहिए।

परमाणु शक्ति होने के पाकिस्तान के बार-बार के दावों का जवाब देते हुए अब्दुल्ला ने उन्हें भारत की अपनी क्षमताओं की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि हमारे पास भी परमाणु बम है और हमारे पास यह उनसे पहले भी थे। भारत के गैर-आक्रामक होने के रुख पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने पहले कभी किसी पर हमला नहीं किया। यह सब वहीं से शुरू हुआ और हमने जवाब दिया। आज भी हम इसका इस्तेमाल नहीं करेंगे, जब तक कि वे इसका इस्तेमाल न करें, लेकिन अगर वे इसका इस्तेमाल करते हैं, तो हमारे पास भी हैं। ऊपर वाला ऐसी स्थिति कभी न आने दें।

कांग्रेस पार्टी द्वारा पीएम मोदी की आलोचना करने पर फारूक अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया दी। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कांग्रेस ने 28 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी को गायब बताने वाला पोस्ट शेयर किया था, जिसके बाद से बीजेपी और कांग्रेस के बीच पोस्टर वार शुरू हो गया था। हालांकि, इस पोस्टर को बाद में डिलीट कर दिया गया। इस पर फारूक अब्दुल्ला ने कांग्रेस के कथन को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि वे कहां लापता है। मुझे पता है कि वह दिल्ली में है।

उन्होंने भारत की धरती पर बार-बार आतंकवादी हमलों के लिए पाकिस्तान की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि मुंबई हमला हुआ और यह साबित हो गया कि उन्होंने इसे अंजाम दिया। पठानकोट और उरी हमला भी उन्होंने किया। उन्होंने कारगिल युद्ध किया और मैं उस समय मुख्यमंत्री था। अब्दुल्ला ने कहा कि वे इसमें शामिल नहीं थे, लेकिन जब हमने कड़ी कार्रवाई की, तो वे मदद मांगने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के पास भागे थे। अब्दुल्ला ने कहा कि अगर वे दोस्ती चाहते हैं, तो ऐसी चीजें जारी नहीं रह सकतीं। इसे रोकना होगा, लेकिन अगर वे दुश्मनी चाहते हैं, तो हम तैयार हैं।

परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर चीन और भारत की एक नीति पर पाकिस्तान का कोई इमान नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीएएन के मुताबिक, दुनिया के नौ देशों के पास कुल मिलाकर करीब 12,000 से ज्यादा परमाणु हथियार मौजूद हैं। ये देश रूस, अमेरिका, चीन, फ्रांस, यूके, पाकिस्तान, भारत, इजरायल और उत्तर कोरिया हैं। इसमें सबसे ज्यादा 5,889 परमाणु हथियार रूस के पास हैं। दूसरे नंबर पर अमेरिका है, जिसके पास 5,224 हथियार हैं। जरुरी बात ये हैं कि अमेरिका ने अपने कई परमाणु हथियार इटली, तुर्किये, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड्स में भी तैनात कर रखे हैं। लेकिन जिन देशों के पास परमाणु हथियार हैं, वे इनके इस्तेमाल को लेकर बेहद गंभीर और जिम्मेदार रवैया रखते हैं। हर देश ने अपने-अपने स्तर पर परमाणु हथियारों के उपयोग को लेकर नियम और नीति बना रखी है। हालांकि पाकिस्तान को लेकर अक्सर आशंका रहती है, क्योंकि वहां के कई नेता और यहां तक कि संसद सदस्य भी परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर गैर-जिम्मेदाराना बयान दे चुके हैं।

क्या है भारत और चीन की नीति

भारत और चीन दोनों ने परमाणु हथियारों को लेकर अपनी-अपनी स्पष्ट नीतियां बना रही हैं। भारत ने 1999 में नो फर्स्ट यूज (एनएफयू) नीति की घोषणा की थी। भारत ने कहा था कि वह कभी भी किसी देश पर सबसे पहले परमाणु हमला नहीं करेगा। रिपोर्ट बताती है कि भारत के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन ने भी अपनी किताब में नीति का जि़क्र करते हुए कहा था कि भारत की रणनीति न्यूनतम प्रतिरोध और नो फर्स्ट यूज के सिद्धांत पर आधारित है। भारत की इस नीति का मकसद संदेश देना है कि वह परमाणु हथियारों का उपयोग सिर्फ आत्मरक्षा के लिए करेगा, वह भी तब जब उस पर परमाणु हमला हो जाए। वहीं चीन की नीति भी भारत की ही तरह है। 16 अक्टूबर 1964 को अपने पहले परमाणु परीक्षण के तुरंत बाद, चीन ने ऐलान किया था की कि वह किसी भी वक्त और किसी भी हालात में परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। यह नीति 2025 तक आधिकारिक रूप से बरकरार है।

लेकिन पाकिस्तान के पास परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर कोई स्पष्ट और आधिकारिक नीति नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने नो फर्स्ट यूज (एनएफयू) नीति को स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया है। इसके उलट, पाकिस्तान ने फर्स्ट यूज यानी पहले हमला करने को अपनी नीति का हिस्सा बना रखा है। इसके मायने ये है कि पाकिस्तान जरूरत पड़ने पर किसी भी समय परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। हाल ही में पाकिस्तानी रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने भारत को खुलेआम परमाणु हमले की धमकी दी थी उन्होंने कहा था कि हमने शाहीन, गोरी और गजनवी जैसी 130 मिसाइलें भारत के लिए तैनात कर रखी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

भारत के रक्षा मंत्री से मिले नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. भट्टराई, पहलगाम आतंकी हमले को बताया निंदनीय

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और माओवादी के पूर्व नेता डॉ. बाबूराम भट्टराई ने सोमवार को भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से नई दिल्ली में मुलाकात की। डॉ. भट्टराई ने कश्मीर के पहलगाम में नागरिकों पर हाल ही में हुए आतंकवादी हमले पर गहरा दुख व्यक्त किया और इस घटना की कड़ी निंदा की। दोनों नेताओं ने नेपाल-भारत संबंधों को और मजबूत करने और विकास और आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने को लेकर चर्चा की। डॉ. भट्टराई ने नेपाल के समग्र विकास में भारत के सहयोग की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के जन स्तर के संबंध को और अधिक मजबूत करने के लिए समान रूप से हमेशा प्रयास करने की आवश्यकता की है। डॉ. भट्टराई ने कश्मीर के पहलगाम में नागरिकों पर हाल ही में हुए आतंकवादी हमले पर गहरा दुख व्यक्त किया और इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने बताया कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की ओर से उठाए जाने वाले सभी कदमों का नेपाल पूरा समर्थन करता है। डॉ. भट्टराई वर्तमान में प्रगतिशील नेपाली समाज समिति, भारत के सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए भारत यात्रा पर हैं। दिल्ली में डॉ. भट्टराई ने नेपाल में भारत के चार पूर्व राजदूतों से भी सामूहिक मुलाकात की है। इस दौरान नेपाल में भारत के पूर्व राजदूत राकेश सूद, जयंत प्रसाद, रंजीत रे और मंजीव सिंह पूरी मौजूद रहे।

दक्षिणी ईरान के बंदरगाह पर विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हुई

तेहरान, एजेंसी। दक्षिणी ईरान के बंदर अब्बास के शाहिद राजाई बंदरगाह पर 26 अप्रैल को एक ईंधन टैंकर पर हुए शक्तिशाली विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई। संकट प्रबंधन विभाग के महानिदेशक मेहरदाद हसनजादेह ने इसकी पुष्टि की। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (इरना) ने मेहरदाद हसनजादेह के आज जारी बयान के हवाले से यह सूचना साझा की। हसनजादेह ने कहा कि विस्फोट के बाद लगी आग में झुलसे 1,072 लोगों को अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है। 138 लोग अभी भी अनेक अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से नौ को विशेष उपचार के लिए होर्मोजगन प्रांत के बाहर के अस्पतालों खतम अल-अनबिया, शाहिद मोहम्मदी, खालिज-ए फार्स, साहेब अल जमान और सेना के सैय्यद अल-शुहादा में स्थानांतरित किया गया है। ईरानी अधिकारियों ने विस्फोट के कारणों की जांच के लिए टीम बनाई है। इस विस्फोट ने बंदरगाह को तहस-नहस कर दिया है। लगभग 2,400 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले शहीद राजाई बंदरगाह की वार्षिक माल ढुलाई की क्षमता 70 मिलियन टन है। इस्लामी गणराज्य के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने शाहिद राजाई बंदरगाह पर हुए हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। खामेनेई ने सुरक्षा और न्यायिक अधिकारियों को जांच करने का काम सौंपा है।

रूस ने यूक्रेन में 8 से 10 मई तक युद्धविराम का किया ऐलान

मॉस्को, एजेंसी। रूस ने द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर विजय की वर्षगांठ पर यूक्रेन में 8 से 10 मई तक पूर्ण युद्धविराम की घोषणा की है। क्रेमलिन ने सोमवार को बताया कि यह युद्धविराम 08 मई की मध्यरात्रि से प्रभावी होगा और 10 मई तक जारी रहेगा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मानवीय आधार पर इस दौरान सभी सैन्य अभियानों को रोकने का आदेश दिया है। 09 मई को रूस में विजय दिवस बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, इसी को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। क्रेमलिन ने उम्मीद जताई है कि यूक्रेन भी इसी तरह का आदेश देगा। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन में शांति बहाली के प्रयासों को तेज कर रहे हैं। अब तक पुतिन ने बिना शर्त पूर्ण युद्धविराम से इनकार किया था और इसे पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को हथियार आपूर्ति बंद करने तथा यूक्रेन की सैन्य लामबंदी रुकने से जोड़कर देखा था। रूस ने चेतावनी भी दी है कि युद्धविराम के उल्लंघन पर सख्त प्रतिक्रिया दी जाएगी। साथ ही रूस ने शांति वार्ता के लिए शर्त भी रखी है। उसने कहा है कि वार्ता तभी संभव होगी, जब यूक्रेन रूस के कब्जाए क्षेत्रों को कानूनी मान्यता देगा।

उत्तर कोरिया ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस का साथ देने पर छह महीने बाद चुप्पी तोड़ी

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस का साथ देने की वैश्विक चिंताओं के बीच आज लगभग छह महीने बाद चुप्पी तोड़ी। उत्तर कोरिया ने आधिकारिक रूप से स्वीकार किया कि यूक्रेन में रूस के युद्ध का समर्थन करने के लिए उसने अपनी सेना की तैनाती की। इस बीच रूस ने दावा किया है कि द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ से पहले यूक्रेन में युद्ध के मैदान पर मास्को को निर्णायक बढ़त मिल जाएगी। द कोरिया हेराल्ड अखबार की खबर के अनुसार प्योंगयांग की घोषणा का उद्देश्य बाहरी रूप से पारस्परिक प्रतिबद्धताओं को सुरक्षित करना है। साथ ही उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन का रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का मजबूत समर्थन हासिल करना है। हालांकि, विशेषज्ञ इस बात से सहमत हैं कि किम के रूस के 9 मई के विजय दिवस समारोह में शामिल होने की संभावना कम ही है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह घोषणा उत्तर कोरिया और रूस के बीच दीर्घकालिक सैन्य गठबंधन को बनाने की क्षमता का भी संकेत देता है। उत्तर कोरिया की रविवार को गई इस घोषणा को आज वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया के केंद्रीय सैन्य आयोग ने लिखित बयान के रूप में जारी किया है। आई। इसे सरकारी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने आज प्रमुखता से प्रसारित किया है। इससे पहले यह घोषणा उत्तर कोरिया की सत्तारूढ वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया के आंतरिक समाचार पत्र रोडोंग सिनमुन के पहले पन्ने की सुर्खी बनी। रोडोंग सिनमुन की खबर के अनुसार, देश के सैनिकों ने उत्तर कोरिया के नेता के आदेश पर रूस के कुर्स्क क्षेत्र के मुक्ति अभियान में हिस्सा लिया। उत्तर कोरिया के सैनिकों ने यूक्रेनी बलों को नष्ट करने और रूसी क्षेत्र को मुक्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कोरियाई भाषा में जारी बयान में कहा गया, ऐसे जांबाज सैनिकों का होना उत्तर कोरिया के लिए गौरव की बात है। इस बीच रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने बयान जारी करके उत्तर कोरियाई सैनिकों की प्रशंसा की।

कनाडा में भारतीय छात्रा वंशिका की मौत पर उच्चायोग ने दुख जताया : ओटावा, एजेंसी। कनाडा में भारतीय उच्चायोग ने भारतीय छात्रा वंशिका सैनी की मौत पर दुख जताया है। भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर कहा, ओटावा में भारत की छात्रा वंशिका की मौत की सूचना पाकर हम बहुत दुखी हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार मामले को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया गया है और मामले की जांच की जा रही है। भारतीय उच्चायोग ने कहा, हम हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए शोक संतप्त परिजनों और स्थानीय सामुदायिक संघों के साथ निकट संपर्क में हैं। उल्लेखनीय है कि वंशिका ढाई साल पहले भारत से कनाडा पढ़ाई के लिए आई थी। वह ओटावा में एक शैक्षणिक संस्थान में स्टडी कर रही थी। वह 25 अप्रैल को रात करीब नौ बजे किराये का कमरा तलाशने के लिए घर से निकली थी। ओटावा में वंशिका की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव समुद्र के किनारे मिला। परिजनों ने वंशिका की हत्या की आशंका व्यक्त की है। वंशिका भारत के पंजाब के आम आदमी पार्टी विधायक कुलजीत सिंह रंधावा के सहयोगी दविंदर सैनी की बेटी है। वंशिका ने 18 अप्रैल को आखिरी एग्जाम दिया था।

भाजपा विदेश विभाग के प्रभारी चौथाईवाले का नेपाल दौरा कल से : काठमांडू, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के विदेश विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले का नेपाल दौरा कल से शुरू होगा। वह 30 अप्रैल से दो मई तक काठमांडू रहेंगे। इस दौरान नेपाल के सभी प्रमुख नेताओं से उनकी मुलाकात संभव है। भाजपा विदेश विभाग के अनुसार, चौथाईवाले की नेपाल के प्रधानमंत्री से लेकर विपक्षी दल के नेताओं से मुलाकात तय की गई है। चौथाईवाले प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, सतारूढ़ गठबंधन के नेता शेर बहादुर देउवा, प्रमुख विपक्षी दल के नेता माओवादी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड, एकीकृत समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा चौथाईवाले नेपाल के दोनों उपप्रधानमंत्री प्रकाशमान सिंह और विष्णु पौडेल, विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा से भी मुलाकात कर सकते हैं। चौथाईवाले से मधेशी मोर्चा के नेताओं की सामूहिक मुलाकात होनी है है। वह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद पर पाकिस्तान को खरी-खोटी सुनाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में सोमवार को आतंकवाद के शिकार संघों के नेटवर्क की समारोहपूर्वक स्थापना की गई। संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि योजन पटेल ने भी समारोह को संबोधित किया। उन्होंने पाकिस्तान को खरी-खोटी सुनाते हुए उसकी निंदा की। योजना पटेल ने कहा कि पाकिस्तान ने इस मंच का दुरुपयोग कर दुष्प्रचार में लिप्त होने और भारत के खिलाफ निराधार आरोप लगाने का प्रयास किया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक विशेष प्रतिनिधिमंडल ने इस मंच का दुरुपयोग करने और इसे कमजोर करने का विकल्प चुना। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया ने हाल ही में एक टेलीविजन साक्षात्कार में पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ को आतंकवादी संगठनों को समर्थन, प्रशिक्षण और धन देने के पाकिस्तान के इतिहास को स्वीकार करते हुए सुना है। योजना पटेल ने कहा कि यह खुला कुबूलनामा अब आश्चर्यचकित नहीं करता बल्कि पाकिस्तान को एक दुष्ट राज्य के रूप में उजागर करता है। पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। दुनिया अब और आंखें नहीं मूंद सकती। संयुक्त राष्ट्र की न्यूज वेबसाइट के अनुसार, यह नेटवर्क सितंबर 2022 में आयोजित आतंकवाद के पीड़ितों की पहली संयुक्त राष्ट्र वैश्विक कांग्रेस का महत्वपूर्ण परिणाम है। इस मौके पर आतंकवाद-रोधी मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव व्लादिमीर वोरोनकोव ने राष्ट्रीयता, जातीयता या धर्म की परवाह किए बिना सभी पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त की और उनके साहस और लचीलेपन को श्रद्धांजलि दी। स्पेन के विदेशमंत्री जोस मैनुअल अल्बेरेस ब्यूनो, आतंकवाद पीड़ितों के मित्रों के समूह के सह अध्यक्ष अब्बास कदोम ओबैद अल-फतलावी और युगांडा की ग्रेस एकन ने भी विचार रखे।

इजराइल की घरेलू खुफिया सेवा शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने की इस्तीफे की घोषणा, 15 जून को पद छोड़ देंगे

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल की घरेलू खुफिया सेवा शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने इस्तीफे की घोषणा की है। वह 15 जून को पद छोड़ देंगे। बार की यह घोषणा कतरगेट की जांच के दौरान आई है। शिन बेट पर सात अक्टूबर के हमास के हमलों को रोकने में विफलता का आरोप भी लग चुका है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस विफलता की सार्वजनिक जांच कराने की घोषणा भी कर चुके हैं। इजराइल की वेबसाइट वाई नेट न्यूज के अनुसार, शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने मेमोरियल डे कार्यक्रम से एक दिन पहले सोमवार शाम घोषणा की कि वह 15 जून को अपना पद छोड़ देंगे। नेतन्याहू ने पूर्व में उन्हें हटाने की कोशिश भी की थी। विश्लेषकों का कहना है कि इजराइल में आतंकवाद-रोधी जांच का जिम्मा संभालने वाली शिन बेट नेतन्याहू की दक्षिणपंथी गठबंधन सरकार के विरुद्ध बढ़ते राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में रही है। नेतन्याहू ने 16 मार्च को कहा था कि वह काफी पहले रोनेन बार पर भरोसा खो चुके हैं। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने रोनेन बार को बर्खास्त करने के सरकार के प्रयास पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी। रोनेन ने दावा किया था कि नेतन्याहू उन्हें इसलिए बर्खास्त करना चाहते हैं, क्योंकि उन्होंने इजराइली प्रदर्शनकारियों की जासूसी करने और भ्रष्टाचार के मुकदमे को बाधित करने समेत विभिन्न आग्रहों को मानने से इनकार कर दिया था।

इजराइल ने कश्मीर हमले को बताया अस्वीकार्य, पाकिस्तान पर सख्त रुख

इजराइल के राजनयिक ने कहा, पाकिस्तान को आतंकी गतिविधियों से निपटने की जरूरत

मुंबई, एजेंसी। मध्य-पश्चिम भारत में इजराइल के महावाणिज्य दूत कोब्बी शोशनी ने हाल ही में कश्मीर में हुए आतंकी हमले को अस्वीकार्य करार देते हुए कहा कि वहां से सामने आई तस्वीरें अत्यंत दिल दहला देने वाली हैं। उन्होंने पाकिस्तान से कश्मीर में जारी आतंकी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण करने की अपील की। कोब्बी शोशनी ने कहा, भारत और इजराइल के बीच संबंध गहरे और अटूट हैं। यह केवल सरकारों या नेताओं तक सीमित नहीं, बल्कि दोनों देशों की जनता के बीच भी एक मजबूत बंधन है।÷ उन्होंने जोर देते हुए कहा, ÷जो कुछ हमने कश्मीर में देखा, वह एक इंसान, एक दोस्त और भारत के भाई के तौर पर हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। तस्वीरें देखकर गहरा दुख हुआ। पाकिस्तान को सीधे तौर पर संबोधित करते हुए शोशनी ने कहा, ÷पाकिस्तान को कश्मीर में उसकी ओर से हो रही आतंकी गतिविधियों से निपटने की आवश्यकता है। उन्होंने भारत की विदेश नीति की भी सराहना करते हुए कहा, भारत बहुत ही कुशलतापूर्वक और चतुराई से कूटनीतिक मोर्चे पर काम कर रहा है। इजराइली राजनयिक के इस बयान ने भारत-इजराइल के घनिष्ठ संबंधों को एक बार फिर मजबूती से रेखांकित किया है। दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर लगातार एकजुटता दिखाई है।

लंदन में पाकिस्तानी उच्चायोग में तोड़फोड़ के मामले में भारतीय मूल के व्यक्ति पर आरोप तय

लंदन, एजेंसी। लंदन के मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने पुष्टि की है कि भारतीय मूल के अंकित लव पर पाकिस्तानी उच्चायोग में तोड़फोड़ करने के आरोप में आपराधिक क्षति का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, 41 वर्षीय अंकित लव पर रविवार, 27 अप्रैल को आरोप तय किया गया। उन्हें हिरासत में लेकर सोमवार, 28 अप्रैल को वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। यह मामला रविवार शाम लगभग 5 बजे का है, जब पुलिस को लोन्ड्स स्क्वायर, केंसिंग्टन और चेल्सी इलाके में पाकिस्तानी उच्चायोग की खिड़कियों के तोड़े जाने की सूचना मिली थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आरोपित का भारतीय मूल से संबंध है और उनका नाम पहले भी कुछ छोटे स्तर की सार्वजनिक अव्यवस्था की घटनाओं से जुड़ चुका है। हालांकि पुलिस ने अब तक उनकी पृष्ठभूमि या मकसद के बारे में आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। फिलहाल, मामले की जांच जारी है और पाकिस्तानी उच्चायोग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

स्पेन और पुर्तगाल में भीषण बिजली संकट, परिवहन और संचार सेवाएं बाधित

मेड्रिड/लिस्बन, एजेंसी। स्पेन और पुर्तगाल में एक बड़े बिजली संकट ने लाखों लोगों को अंधेरे में डुबो दिया है। इस ब्लैकआउट ने न केवल बिजली आपूर्ति को ठप किया, बल्कि संचार नेटवर्क और परिवहन सेवाओं को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। स्पेन के ग्रिड ऑपरेटर रेड इलेक्ट्रिका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पुष्टि की है कि आपातकालीन टीमें समस्या की जांच कर रही हैं और बिजली बहाल करने के लिए पूरी तरह जुटी हैं। रेड इलेक्ट्रिका ने बताया, ÷कारणों का विश्लेषण किया जा रहा है और सभी संसाधनों को समाधान में लगाया गया है। बिजली गुल होने से दूरसंचार नेटवर्क और परिवहन सेवाओं पर व्यापक असर पड़ा है। प्रमुख शहरों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मैड्रिड के बाराजास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे सहित कई अन्य हवाई अड्डों पर बिजली चली गई, जिससे विमानों की आवाजाही प्रभावित हुई। वहीं, मेट्रो सेवाएं भी बाधित रहीं और यात्री सुरंगों में फंसे रहे। इस संकट का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, हालांकि कुछ स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि यूरोपीय विद्युत ग्रिड में आई समस्या ने इबेरियाई प्रायद्वीप के राष्ट्रीय ग्रिड को प्रभावित किया हो सकता है। इसके अतिरिक्त, फ्रांस के दक्षिण-पश्चिम में अलारिक पर्वत पर लगी आग से पर्पिन्यां और पूर्वी नारबोनी को जोड़ने वाली एक उच्च वोल्टेज पावर लाइन को नुकसान पहुंचा है, जिसे संभावित कारणों में से एक माना जा रहा है। अंडोरा और फ्रांस के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी बिजली संकट का असर पड़ा है। साथ ही बेल्जियम से भी कुछ क्षेत्रों में बिजली गुल की खबरें सामने आई रही हैं। स्पेन की प्रमुख बिजली कंपनियां एंडेसा और इबेरड्रोला तथा पुर्तगाल की राष्ट्रीय विद्युत कंपनी आरईएन इस घटना की जांच कर रही हैं। स्पेन सरकार ने मोनक्लोआ में आपात बैठक बुलाई है और नागरिकों से अपील की है कि अनावश्यक रूप से 112 आपातकालीन नंबर पर कॉल न करें ताकि जरूरी सेवाएं प्रभावित न हों।

कनाडा के संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी सबसे आगे, बहुमत से दूर

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में सोमवार को हुए संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी फिलहाल सबसे आगे पर बहुमत से दूर है। यह पियरे पोइलिव्रे की कंजर्वेटिव पार्टी के लिए तगड़ा झटका है। कनाडा के सीटीवी न्यूज के अनुसार, लिबरल पार्टी ने चुनाव जीत लिया है। वह संख्या के लिहाज से सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है पर बहुमत मिलता नहीं दिख रहा। लिबरल पार्टी के उम्मीदवार 156 जिलों और कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार 145 जिलों में आगे चल रहे हैं। हाउस ऑफ कॉमंस में 343 सीटें हैं। बहुमत की सरकार बनाने के लिए 172 सीटों की जरूरत है। सीटीवी न्यूज के अनुसार, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने संसदीय चुनाव में सत्ता बरकरार रखी। अभी ब्रिटिश कोलंबिया के सबसे पश्चिमी प्रांत के नतीजे आने बाकी हैं। लिबरल पार्टी को यहां अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। एंगस रीड इंस्टीट्यूट (पोलिंग फर्म) के अध्यक्ष शाची कुर्ल के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ का कड़ा जवाब देना कार्नी के लिए चुनाव में फायदेमंद रहा। कार्नी ने टैरिफ को लेकर वाशिंगटन के साथ सख्त रुख अपनाने का वादा करते हुए कहा था कि कनाडा को अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए अरबों खर्च करने होंगे। कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्प ने लिबरल पार्टी की जीत का अनुमान लगाया था। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि वे कनाडा में निर्मित कारों पर 25 प्रतिशत टैरिफ बढ़ा सकते हैं। इससे पहले उन्होंने कहा था कि वे कनाडा को 51वां राज्य बनाने के लिए आर्थिक बल का उपयोग कर सकते हैं। कनाडा में चुनाव के वक्त भी सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने कनाडा को 51वां राज्य बनाने के अपने आह्वान को दोहराया। सीटीवी न्यूज का कहना है कि कनाडा की दो छोटी पार्टियां न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी और ब्लॉक क्यूबेकॉइस सरकार बनाने पर लिबरल पार्टी का साथ दे सकती हैं।

नुश्की में ऑयल टैंकर में लगी भीषण आग, चालक की मौत, 40 से अधिक घायल

नुश्की, एजेंसी। बलूचिस्तान के नुश्की जिले में सोमवार की रात एक ऑयल टैंकर में भीषण आग लगने के बाद हुए विस्फोट में चालक की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग झुलसने से घायल हो गए। इस घटना की पुष्टि नुश्की के डिप्टी कमिश्नर अमजद हुसैन ने की है। डिप्टी कमिश्नर के अनुसार, हादसे में गंभीर रूप से घायल 26 व्यक्तियों को बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती द्वारा उपलब्ध कराई गई एयर एंबुलेंस के जरिये क्वेटा स्थानांतरित किया गया है। पुलिस के मुताबिक, एक डिपो में खड़े तेल भरे टैंकर पर वेल्डिंग का काम चल रहा था, तभी अचानक उसमें आग लग गई। संभावित बड़े हादसे को टालने के प्रयास में टैंकर चालक जलते वाहन को टर्मिनल से बाहर खुले मैदान में ले गया, लेकिन वह खुद आग की चपेट में आ गया। चालक की मौके पर ही मौत हो गई। इसी दौरान आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और टैंकर में जोरदार विस्फोट हो गया, जिससे 40 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में एक डीएसपी और तीन अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, जो नागरिकों को घटनास्थल से हटाने के प्रयास में लगे थे। घटना में एक फायर ब्रिगेड वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ है। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि नुश्की में इस दर्दनाक हादसे में 30 से अधिक लोगों को गंभीर रूप से जलने की चोटें आई हैं। घायलों के इलाज के लिए क्वेटा के अस्पतालों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि इस दुखद घटना में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में 23 वर्षीय शिक्षिका 11 वर्षीय छात्र को भगाकर ले गई 4 दिन बाद पुलिस ने राजस्थान बॉर्डर के पास किया गिरफ्तार

11 वर्षीय छात्र को लेकर भागी शिक्षिका गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां 11 साल के छात्र को लेकर फरार हुई एक शिक्षिका को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिक्षिका छात्र को बहला-फुसलाकर अपने साथ लेकर भाग गई थी। परिजनों द्वारा गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने मामला गंभीरता से लिया और जांच शुरू की।

पुलिस की छानबीन के बाद आखिरकार शिक्षिका को पकड़ लिया गया और छात्र को भी सुरक्षित बरामद कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस शिक्षिका से पूछताछ कर रही है कि उसने ऐसा कदम क्यों उठाया और इसमें कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं।

सूरत शहर में एक 23 साल की शिक्षिका द्वारा 11 साल के छात्र को भगाकर ले जाने की चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जो इन दिनों शहरभर में चर्चा का विषय बनी हुई है। यह घटना 25 अप्रैल की दोपहर की है, जब शिक्षिका छात्र को अपने साथ लेकर फरार हो गई थी। चार दिन तक लापता रहने के बाद पुलिस ने शिक्षिका को पकड़ लिया है और अब दोनों - शिक्षिका और छात्र - को सूरत वापस लाया गया है।

पुना पुलिस के अनुसार, शिक्षिका जब छात्र को लेकर भागी, तब उसका मोबाइल फोन रेलवे स्टेशन के पास बंद हो गया था, जिससे उसे ट्रेस करना मुश्किल हो गया। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज की जांच में भी शिक्षिका और छात्र नहीं दिखे, जिससे पुलिस को शक हुआ कि वे प्राइवेट बस से भागे होंगे। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि शिक्षिका के पास एक दूसरा मोबाइल नंबर भी था, जो सक्रिय था। उसी नंबर की ट्रैकिंग के जरिए पुलिस को उसका लोकेशन मिला, और आखिरकार शिक्षिका को पकड़ लिया गया।

फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है कि शिक्षिका की मंशा क्या थी और क्या इसमें कोई और व्यक्ति शामिल था।

चार दिनों में शिक्षिका और छात्र सूरत से 390 किलोमीटर से भी ज्यादा दूर पहुंच गए थे, राजस्थान बॉर्डर के पास बस से पकड़े गए

पुना पुलिस के अनुसार, छात्र को भगाकर ले गई शिक्षिका और छात्र चार दिनों में सफर करते-करते सूरत से करीब 390 किलोमीटर से भी ज्यादा दूर पहुंच गए थे।

शिक्षिका के एक्टिव मोबाइल नंबर को ट्रेस कर पुना पुलिस ने चार पुलिसकर्मियों की एक विशेष टीम बनाकर उन्हें पकड़ने भेजा। सुबह करीब 4 बजे राजस्थान की सीमा पर श्यामलाजी के पास एक चलती बस में से शिक्षिका और छात्र को पकड़ा गया।

पुलिस टीम ने दोनों को बस से नीचे उतारकर हिरासत में लिया और सुरक्षित रूप से सूरत वापस ले आई।

इस दौरान दोनों लगातार बसों से सफर करते रहे, ताकि पकड़ में न आएं। पुलिस अब शिक्षिका से पूछताछ कर रही है कि उसने यह कदम क्यों उठाया और छात्र को कहां-कहां ले गई।

छात्र ट्यूशन जाता था, इसी दौरान दोनों ने एक-दूसरे को पसंद करना शुरू किया

प्राथमिक पूछताछ में सामने आया है कि शिक्षिका और छात्र पिछले तीन वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं। दोनों के परिवार भी एक-दूसरे को जानते हैं और आपसी संपर्क में रहे हैं।

छात्र पिछले तीन सालों से उसी शिक्षिका के पास ट्यूशन पढ़ने जाता था। शुरुआत में तीन छात्र एक साथ पढ़ते थे, लेकिन पिछले एक साल से केवल यही छात्र अकेले शिक्षिका के घर पर ट्यूशन लेने जाता था। इसी दौरान दोनों के बीच नज़दीकियां बढ़ीं और एक-दूसरे को पसंद करने लगे।

पुलिस अब इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए शिक्षिका की मानसिक स्थिति, छात्र की उम्र और अन्य कानूनी पहलुओं की जांच कर रही है।

सूरत में पहलगाम के मृतकों की श्रद्धांजलि सभा में बीजेपी-आप कार्यकर्ता भिड़े

एक-दूसरे को देशद्रोही कहा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका की आज की सामान्य सभा में कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रस्ताव पेश किया गया। हालांकि, इस प्रस्ताव के बाद विपक्ष और शासक दल के सदस्य एक-दूसरे को देशद्रोही कहने लगे, जिससे मामला गर्मा गया और दोनों पक्षों के कॉर्पोरेटर आमने-सामने आ गए।

सूरत महानगरपालिका की आज की सामान्य सभा में विपक्ष ने आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने और सभा को स्थगित करने की मांग की। हालांकि, श्रद्धांजलि दी गई, लेकिन सभा में प्रस्तुत किए गए अन्य सभी मामलों को एक साथ मंजूरी दे दी गई।

विपक्ष ने श्रद्धांजलि अर्पित करते समय पाकिस्तान पर बम गिराने और सबक सिखाने की मांग की थी। इसके बाद भाजपा के कॉर्पोरेटर व्रजेश उंणडकट ने विपक्ष के सदस्यों को देशद्रोही कहते हुए आरोप लगाया, ञ्चआप सेना पाकिस्तान पर हमला करती है, तो आपके नेता सबूत मांगते हैं। इसलिए आप लोग देशद्रोही हैं।ञ्ज इससे मामला गर्मा गया और शासक और विपक्षी पक्ष के कॉर्पोरेटर एक-दूसरे के सामने आ गए, जिसके कारण सभी मामलों को एक साथ मंजूरी दे दी गई। सामान्य सभा समाप्त होने के बाद, सभा कक्ष से बाहर निकलते समय भी दोनों पक्षों के कॉर्पोरेटर आपस में भिड़ते हुए नजर आए। दूसरी ओर, विपक्ष ने आरोप लगाया कि "जब हम पाकिस्तान पर हमले की बात करते हैं, तो भाजपा के कॉर्पोरेटर हमारे ऊपर आरोप लगाते हैं, इसलिए वे देशद्रोही हैं।"

'ऑपरेशन बांग्लादेश' के तहत पकड़े गए

150 लोगों में से 100 से अधिक के बांग्लादेशी नागरिक होने का खुलासा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सूरत शहर समेत ग्रामीण इलाकों में बांग्लादेशियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई थी। पुलिस और प्रशासनिक तंत्र द्वारा बांग्लादेशी नागरिकों को खोजकर उन्हें उनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसके लिए एक विशेष ऑपरेशन चलाया गया था।

सूरत में पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों द्वारा चलाए गए ञ्चऑपरेशन बांग्लादेशञ्ज के तहत पकड़े गए 150 संदिग्धों में से 100 से अधिक बांग्लादेशी नागरिक होने का खुलासा हुआ है। इनमें 45 से अधिक महिलाएं शामिल थीं और 50 लोगों के मोबाइल में बांग्लादेशी नंबरों के साथ चैटिंग पाई गई थी। यह खुलासा सूरत में केंद्रीय एजेंसियों की संयुक्त पूछताछ के दौरान हुआ।

सूरत शहर सहित ग्रामीण इलाकों में बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए पुलिस, एयरफोर्स, बीएसएफ, नेवी, स्टेट और सेंट्रल आईबी द्वारा संयुक्त पूछताछ की गई थी। पकड़े गए बांग्लादेशियों को भिक्षुक गृह में रखा गया था, जहां हर संदिग्ध से गहराई से पूछताछ की जा रही है। जांच में सामने आया कि ये बांग्लादेशी एजेंटों की मदद से भारत की सीमा अवैध रूप से पार कर देश में घुसे थे और सूरत शहर के विभिन्न इलाकों में छिपकर किसी भी प्रकार का रोजगार कर गुजर-बसर कर रहे थे।

चेक रिटर्न के मामले में 6 महीने की सजा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

एम.एस. मनु के कपड़ा व्यापारी को चेक रिटर्न के मामलों में कोर्ट ने दोषी ठहराते हुए 6 महीने की सजा और 13.91 लाख की राशि पर 9त्न ब्याज के साथ शिकायत पक्ष को मुआवजा चुकाने का कड़ा आदेश दिया है। इस मामले में शिकायत पक्ष के वकील रमेश वी. सानेपरा ने कहा कि उनके असिल जय नवीनभाई वैकरिया हाईटेक पेपर्स रजिस्टर्ड के अधिकृत व्यक्ति हैं। वे सब्लिमेशन पेपर्स का उत्पादन और व्यापार करते हैं। इस बीच, वर्ष 2022-23 के दौरान कपड़ा व्यापारी धनजीभाई बलदाणिया, जो सुरत के कुम्भारिया इलाके में रघुवीर प्लेटिनम में रहते हैं, ने हाईटेक पेपर्स से कुल 19.31 लाख रुपये का पेपर माल उधार खरीदा था।

इस खरीदारी में आरोपी बलदाणिया ने केवल 5.40 लाख रुपये का भुगतान की थी, जबकि बाकी 13.91 लाख रुपये चुकाने के लिए उन्होंने चेक दिया था। लेकिन जब यह चेक बैंक में जमा कराया गया, तो वह रिटर्न हो गया। इसके परिणामस्वरूप शिकायत दर्ज की गई और मामला अदालत तक पहुंचा। सुनवाई के दौरान वकील रमेश वी. सानेपरा ने पक्ष से मजबूत दलीलें पेश कीं और सबूत भी प्रस्तुत किए। कोर्ट ने सभी दलीलों और सबूतों को ध्यान में रखते हुए अंतत: आरोपी कपड़ा व्यापारी जय किशन बलदाणिया को दोषी ठहराया। अदालत ने उन्हें 6 महीने की सजा सुनाई और शिकायतकर्ता जय नवीनभाई वैकरिया को चेक की 13.91 लाख रुपये की राशि पर 9त्न ब्याज के साथ मुआवजा चुकाने का आदेश दिया।

उमरवाड़ा इलाके में सक्रिय एक कुख्यात ड्रग पेडलर को पुलिस ने एम.डी. ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उमरवाड़ा इलाके में ड्रग्स के कारोबार के लिए कुख्यात खलील उर्फ घोड़ा लुकमान शेख को सलाबतपुरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से कुल 74,000 मूल्य की 7.4 ग्राम एम.डी. ड्रग्स और 1,900 नकद बरामद किए गए हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि इस नशे के धंधे में खलील का अपना बेटा तौसीफ उर्फ सोनू भी शामिल है, और वही अपने पिता को यह घातक नशा सप्लाई करता था।

सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर के.डी. जाडेजा और उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना पर राहदेस इम्पीरिया टेक्सटाइल मार्केट के पीछे के इलाके से 42 वर्षीय खलील उर्फ घोड़ा को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान उसके पास से 7.4 ग्राम एम.डी. ड्रग्स जिसकी बाजार कीमत 74,000 है, और 1,900 नकद बरामद किए गए। खलील उर्फ घोड़ा पहले भी ड्रग्स के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। पिछले वर्ष भी उसे वेसु इलाके से ड्रग्स के साथ पकड़ा गया था। इसके बावजूद उसने अपना नशे का धंधा बंद नहीं किया और दोबारा बड़े पैमाने पर इस अवैध कारोबार में कूद पड़ा। पुलिस जांच के दौरान खलील ने स्वीकार किया है कि उसे यह एम.डी. ड्रग्स उसका अपना बेटा तौसीफ उर्फ सोनू लाकर देता था। खलील इसे छोटे-छोटे भागों में बेचकर मुनाफा कमाता था।

जब सलाबतपुरा पुलिस ने खलील को गिरफ्तार किया, तो तौसीफ को पकड़ने के लिए उमरवाड़ा स्थित उनके निवास पर छापा मारा गया था। लेकिन पहले से सतर्क तौसीफ पुलिस को चकमा देकर फरार होने में सफल रहा। फिलहाल पुलिस उसकी तलाश में तेजी से कार्रवाई कर रही है।

इस घटना के बाद उमरवाड़ा और टेक्सटाइल मार्केट इलाके में खलील और उसके बेटे द्वारा दोबारा ड्रग्स का बड़ा रैकेट संचालित किए जाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। पुलिस ने इस अपराध की गहराई से जांच शुरू कर दी है ताकि पूरे नशे के जाल को उजागर किया जा सके। अब देखना यह है कि सूरत शहर में पिता-पुत्र की इस ड्रग्स चेन से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस का चक्रव्यूह कब बिछाया जाता है।

दुर्घटना मुआवजा केस में 28.03 लाख का भुगतान आदेश

मम्बादेवी दर्शन जाते समय सड़क हादसे में मरे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत एक ही परिवार के तीन सदस्यों की कार पलटने से मौत, दुर्घटना मुआवजा केस में 28.03 लाख का भुगतान आदेश

नव वर्ष पहले पांडेसरा के वरमा परिवार की कार, जो वडाला से मम्बादेवी दर्शन के लिए जा रही थी, महाराष्ट्र में पलट गई थी। इस हादसे में तीन सदस्य की मौत हो गई थी। अब, मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल के ऑक्सिलियरी जज और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शकुंतलाबेन एन. सोलंकी ने कार मालिक और बीमा कंपनी को कुल 28.03 लाख मुआवजा मृतक के परिवार को देने का आदेश दिया है।

हादसा 5 नवंबर 2016 को हुआ था, जब ऋषिकेश शिवकुमार वरमा (45 वर्ष), उनकी पत्नी राजेश्रीबेन (40 वर्ष) और उनकी बेटी रागिनीबेन (18 वर्ष) एक सेंटरो कार में वडाला से मम्बादेवी दर्शन के लिए जा रहे थे। डोंगरी पुलिस स्टेशन क्षेत्र में ईस्टर्न फ्रीवे साउथ ब्रॉड पी.डी. मेलो रोड पर कार के चालक ने स्टीयरिंग से नियंत्रण खो दिया, जिससे कार पलट गई और तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक के परिवार के सदस्य 23 वर्षीय विनय और नाबालिग रवि वरमा ने कार चालक, मालिक और न्यू इंडिया कार इंश्योरेंस कंपनी के खिलाफ तीन अलग-अलग क्लेम केस दायर किए थे,

जिसमें कुल 33 लाख मुआवजा की मांग की गई थी। सुनवाई के बाद, मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल ने मृतक ऋषिकेश वरमा के निधन के लिए 11.89 लाख, राजेश्रीबेन के लिए 9.24 लाख, और रागिनीबेन के लिए 6.89 लाख मुआवजा देने का आदेश दिया है, जिससे कुल मिलाकर 28.03 लाख मुआवजा भुगतान का आदेश दिया गया है।

22 वर्षीय युवक ने आत्महत्या की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उत्तर प्रदेश का निवासी और वर्तमान में वेसु इलाके के जलाराम मंदिर के पास रहने वाला 22 वर्षीय मनीष विनोद शर्मा ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, मनीष मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी था। हालांकि, उसने बी.सी.ए. की पढ़ाई पूरी की थी और नौकरी की परीक्षा की तैयारी कर रहा था। संभावना है कि नौकरी को लेकर तनाव के कारण उसने यह कदम उठाया, लेकिन जांच के बाद ही वास्तविक कारण का पता चल सकेगा। मनीष के एक भाई और एक बहन हैं। उसके पिता वेसु इलाके में हार्डवेयर की दुकान चलाते हैं।